CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 11 अंक : 52 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, गुरूवार 12 मार्च, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 मूल्य : 1.50 रुपए पृष्ठ : 8+st

भजन लाल शर्मा का एक और नवाचार, गौ सेवा नीति 2026 बनाने की ऐतिहासिक घोषणा

प्रदेश में जिला और तहसील स्थल पर मॉडल गौशालाएं स्थापित करने की योजना, गायों की सुरक्षा संरक्षण के साथ पशुपालन व्यवसाय को बढ़ावा देने का प्रभावी प्रयास

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जन्म और युवा अवस्था ब्रजभूमि ब्रजभूमि में ही गुजारा है और गिरिराज जी महाराज के अनन्य भक्त हैं इसलिए गौ माता के कल्याण, विकास, सुरक्षा और संवर्धन के बारे में भला उनसे ज्यादा और कोई कैसे सोच सकता है । पिछले 2 साल में भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री कार्यकाल में प्रदेश में गौ माता और गोवंश के कल्याण और विकास सुरक्षा और संवर्धन में खूब कार्य हुए हैं। कई बड़े फैसले लिए गए हैं जिनसे प्रदेश में गौ माता और गोवंश को काफी फायदा भी हुआ है अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक और नवाचार करते हुए गौ सेवा नीति 2026 लागू करने की घोषणा की है इस नीति के लागू होने के बाद प्रदेश में एक तरफ जहां गाय और गोवंश के कल्याण और विकास सुरक्षा और संवर्धन के कार्यों को और गति मिल सकेगी तो दूसरी तरफ इस नीति के माध्यम से गाय पशुपालन को संबल मिलेगा जिसकी वजह से प्रदेश में गांव में मौजूद पशुपालकों को काफी फायदा होगा। उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी इन सभी प्रमुख बातों को ध्यान में रख कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गौ सेवा नीति 2026 बनाने की घोषणा की। इस नीति का प्रारूप तैयार करने के लिए कार्य जारी है और इसी साल यह नीति लागू हो सकती है जानकारी के अनुसार इस नई गौ सेवा निति के तहत प्रदेश में जिला स्तर पर और तहसील स्तर पर मॉडल गौशालाएं स्थापित करने की योजना है। इन गौशालाओं में गायों के खाने-पीने चिकित्सा सुरक्षा सभी तरह के अत्याधुनिक तरीके से प्रबंध किए जाएंगे और इन गौशालाओं के माध्यम से भी दुग्ध व्यवसाय को प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा । इसके अलावा इस नीति में गौशालाओं को अनुदान की की राशि में बढ़ोतरी की जाएगी । वर्तमान में गौशालाओं में बड़े पशुओं के लिए 50 और छोटे पशुओं के लिए 25 रुपए रोजाना अनुदान दिया जा रहा है जिसको आगे बढ़ाया जाएगा। जानकारी के अनुसार प्रदेश में गाय डेयरी प्रोजेक्ट की स्थापना और बढ़ावा देने के बारे में इस नई नीति में काफी कुछ देखने को मिलेगा क्योंकि सरकार चाहती है कि प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में ज्यादा से ज्यादा गाय और गोवंश की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और इसको दुग्ध व्यवसाय से जोड़कर प्रदेश के किसान और पशुपालकों की आर्थिक स्थिति को और मजबूत बनाया जा सकता है। इसके लिए गाय डेयरी के लिए सब्सिडी देने पर भी सरकार का विचार है गौ सेवा निति में गायों की सुरक्षा और संवर्धन के बारे में भी महत्वपूर्ण बिंदु अंकित होंगे कुल मिलाकर सरकार की यह नई गए नीति एक तरफ जहां प्रदेश में गाय और गोवंश के लिए काफी कल्याणकारी साबित होगी तो दूसरी तरफ पशुपालक और किसानों के लिए भी यह नीति वरदान साबित होगी जानकारी के अनुसार प्रदेश की भजनलाल सरकार ने प्रदेश में पशुपालन और पशुपालकों तथा किसानों के कल्याण के लिए पिछले 2 साल में कई तरह के बड़े निर्णय लिए हैं जिनका सीधा फायदा पशुपालकों और किसानों को मिल रहा है जिसमें मुख्यमंत्री पशु मंगल बीमा योजना मुख्यमंत्री दुग्ध संबल योजना क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाएं शामिल हैं जिनका पशुपालक और किसान भरपूर फायदा उठा रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश के डेरी सेक्टर में भी सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं जिसमें दुग्ध उत्पादकों को बोनस की राशि में बढ़ोतरी की गई है तथा पशुओं की चिकित्सा के लिए मोबाइल पशु वाहन इत्यादि की समुचित व्यवस्था की गई है। इसके माध्यम से पशुपालकों को अब अपने पशुओं की चिकित्सा व्यवस्था के लिए ज्यादा परेशानी का सामना उठाना नहीं पड़ता पशुपालक के ठिकानों पर आकर पशु चिकित्सा पशुओं का उपचार कर रहे हैं इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि की राशि में भी राजस्थान सरकार ने अपने स्तर पर 3000 रुपए बड़ा कर दे रही है कल 9000 किसान सम्मन निधि की राशि के तहत किसानों को दिए जा रहे हैं इस तरह से किसानों को आर्थिक रूप से लगातार सरकार मजबूत कर रही है और अब नई गौ सेवा निति के माध्यम से गोपालन को पशुपालन से प्रभावी रूप से जोड़कर प्रदेश में गायों के कल्याण और विकास के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का प्रयास किया जा रहा है ।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की राजस्थान दिवस और गणगौर पर्व को शानदार तरीके से मनाने की तैयारी, अधिकारियों के साथ किया मंथन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दिया कुमारी आगामी गणगौर पर्व और राजस्थान दिवस को शानदार और बेमिसाल तरीके से मनाने के लिए आवश्यक तैयारी में युद्ध स्तर पर जुट गई है । इसी क्रम में दिया कुमारी ने बुधवार को पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ करीब 4 घंटे तक विशेष बैठक का आयोजन किया। बैठक में राजस्थान दिवस और गणगौर पर्व को लेकर विस्तार से बातचीत हुई राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर विस्तार से बातचीत की इस संदर्भ में दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों से आवश्यक शाला और सुझाव भी लिए दिया। पर्यटन विभाग के अधिकारियों से आवश्यक शाला और सुझाव भी पर्यटन विभाग के अधिकारियों से आवश्यक राय और सुझाव भी लिए दिया कुमारी ने अधिकारियों से साफ कहा कि राजस्थान दिवस और गणगौर पर्व यह दोनों ही राजस्थान की आन बान सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक हैं और यह दोनों ही आयोजन बहुत ही शानदार तरीके से आयोजित होने चाहिए जिनकी धूम भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हो इसलिए राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले तमाम तरह के कार्यक्रमों के प्रचार प्रसार के लिए भी जरूरी प्रबंध और उपाय करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं ताकि राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को दुनिया भर के लोग देखें जिससे राजस्थान में पर्यटन को और बढ़ावा मिल सकेगा । जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर काफी सक्रिय और गंभीर है राजस्थान विधानसभा में भाजपा विधायक दल की बैठक में भी भजनलाल शर्मा ने पार्टी के विधायकों से साफ कहा था कि वह राजस्थान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय भूमिका अदा करें और शहर और गांव तक इन कार्यक्रमों का आयोजन करके प्रदेश के छोटे-छोटे बच्चों से लेकर युवा और बुजुर्गों तक राजस्थान दिवस के बारे में ज्यादा से ज्यादा दिलचस्प और जन जागृति पैदा की जाए इसीलिए पर्यटन मंत्री होने के नाते दिया कुमारी राजस्थान दिवस को ऐतिहासिक तरीके से मनाने की कार्य योजना तैयार कर रही है हालांकि राजस्थान में गणगौर पर्व हर साल ही बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है इस पर्व को देखने के लिए देश और विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में जयपुर विशेष तौर पर पहुंचते हैं क्योंकि जयपुर में गणगौर का उत्सव कुछ अलग ही अंदाज में मनाया जाता है और यहां पर गणगौर पर भव्य जुलूस भी निकलता है जो जयपुर के सिटी बाजार से शुरू होकर शहर के प्रमुख बाजारों से निकलता है जिसे देखने के लिए जयपुर और प्रदेश भर के लोग यहां आते हैं । गणगौर मेले को लेकर विदेशी पर्यटकों में भी काफी उत्साह रहता है क्योंकि दिया कुमारी जयपुर राजघराने कीसदस्य है और जयपुर में गणगौर की सवारी सिटी पैलेस से ही विधि विधान से पूजा अर्चना करके भ्रमण के लिए रवाना की जाती है इसलिए गणगौर पर्व को लेकर भी दिया कुमारी पिछली बार की तरह इस बार भी काफी उत्साहित नजर आ रही है गणगौर मेले पर पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों के लिए विशेष तैयारी और प्रबंध भी किए जाते हैं जिसमें देश और विदेश के पर्यटक आराम से गणगौर माता की सवारी देख सके इसलिए इन तमाम तरह की तैयारी के लिए दिया कुमारी ने करीब चार घंटे तक पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ गहनता से विचार विमर्शित किया और उनसे सुझाव भी लिए उल्लेखनीय है कि दिया कुमारी की शुरू से ही यह नीति रही है कि वह राजस्थान की कला संस्कृति साहित्य वेशभूषा पर्यटन स्थल खानपान धार्मिक स्थल इत्यादि को वैश्विक स्तर पर विशेष पहचान दिलाने की कोशिश में जी जान से जुटी हुई है क्योंकि वह जानती है कि जितनी ज्यादा राजस्थान के पर्यटन स्थलों राजस्थान के त्यौहार राजस्थान के प्रमुख मंदिरों इत्यादि का प्रचार प्रचार किया जाएगा उतना ही लोग यहां घूमने के लिए आएंगे जिसकी वजह से एक तरफ प्रदेश के पर्यटन कारोबार को गति मिलेगी तो दूसरी तरफ राजस्थान सरकार की इनकम में भी बढ़ोतरी होगी इसीलिए दिया कुमारी इस तरह के आयोजनों को लेकर हमेशा अलर्ट मोड पर रहती हैं ।

भजन लाल शर्मा ने गैस आपूर्ति को लेकर गैस कंपनियों के प्रमुख और अधिकारियों के साथ की मैराथन बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। दुनिया में मिडिल ईस्ट में हो रहे युद्ध के परिणाम स्वरूप गैस और तेल की आपूर्ति को लेकर जो स्थिति बनी हुई है उस स्थिति से निपटने के लिए प्रदेश की भजनलाल सरकार भी पूरी तरह से तैयार दिख रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में एक बड़ी बैठक का आयोजन किया बैठक में विभिन्न तेल और गैस कंपनियों के राजस्थान प्रमुख के अलावा विभिन्न सरकारी विभागों के शासन सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव मौजूद रहे बैठक में युद्ध की हालातो के मध्य नजर गैस और तेल आपूर्ति को लेकर जो स्थिति पैदा हुई है उसकी बारीकी से और गंभीरता से विवेचना की गई । रोजाना प्रदेश में गैस और तेल की कितनी कितनी खपत और जरूरत होती है और वर्तमान में प्रदेश के पास तेल और गैस का कितना स्टॉक है इन सब के बारे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों से आवश्यक फीडबैक लिया तथा कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई रोकने के बाद प्रदेश में घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति की व्यवस्था पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव की भी मीटिंग में विवेचना की गई साथ ही प्रदेश में कालाबाजारी और जमाखोरी को रोकने और प्रत्येक उपभोक्ता को उसकी जरूरत के मुताबिक गैस उपलब्ध करवाने जैसे विषयों पर बैठक में गंभीरता से चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंततः अधिकारियों से साफ कहा कि उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति तो हर हाल में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए इसके लिए बैठक में मौजूद विभिन्न तेल कंपनियों के प्रमुख से भी सहयोग की अपील की गई बैठक में इस बात की भी गंभीरता से चर्चा की गई कि अगर यह युद्ध लंबा संपादित होता है तो ऐसे हालात में भारत सरकार की गाइडलाइन पर कार्य करते हुए प्रदेश में गैस और तेल आपूर्ति की सप्लाई को कैसे ग्राहकों तक सुनिश्चित करना है । इसके बारे में भी गंभीरता से मंथन किया गया बैठक में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई को रोक देने के बाद और ग्राहकों की ओर से गैस सिलेंडरों का अतिरिक्त स्टॉक रखने की प्रवृत्ति से मार्केट में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और जमाखोरी के जो हालात बनने लगे हैं उनसे कड़ाई से निपटने के लिए भी मुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश कांग्रेस की ओर से आज और कल प्रदेश भर में जिला स्तर पर घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई वृद्धि और प्रदेश में गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत की बात कह कर जिला स्तर पर प्रदर्शन किए जाएंगे। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी पूरे देश भर में गैस और तेल ईंधन को लेकर अफवाह फैलाना चाहती है।राजस्थान में भी आज और कल जिस तरह से कांग्रेस पार्टी की ओर से गैस और तेल को लेकर जो प्रदर्शन किया जा रहा है उसको लेकर सरकार से जुड़े लोगों और भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पार्टी के इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है और बेवजह प्रदेश में अशांति का माहौल बनाने का आरोप लगा रहे हैं।

गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी को लेकर भजनलाल सरकार सख्त, पकड़े जाने पर होगी कड़ी कार्रवाई

जिला रसद अधिकारियों के नेतृत्व में स्पेशल टीम का गठन, जरूरत पड़ने पर जिला प्रशासन और पुलिस का भी लिया जाएगा सहयोग

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। मिडिल ईस्ट युद्ध के बाद राजस्थान सहित पूरे देश भर में घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर जो स्थिति बनी हुई है उसे देखते हुए प्रदेश की बजरंग लाल सरकार ने देखते हुए प्रदेश की भजनलाल सरकार ने प्रदेश में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी को रोकने के लिए जिला रसद अधिकारियों के नेतृत्व में स्पेशल टीम का गठन किया है और जिला रसद अधिकारियों से साफ कहा है की जरूरत पड़ने पर जिला प्रशासन और जिला पुलिस का भी सहयोग लिया जा सकता है । जानकारी के अनुसार मिडिल ईस्ट युद्ध के बाद कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई पर फिलहाल पाबंदी लगा दी गई है इसलिए घरेलू गैस सिलेंडर का कमर्शियल प्रयोग नहीं हो क्योंकि अगर घरेलु गैस सिलेंडर का कमर्शियल प्रयोग होता है तो फिर निश्चित रूप से कालाबाजारी चरम सीमा पर पहुंच जाएगी क्योंकि होटल और रेस्टोरेंट से जुड़े कारोबारी अपना कारोबार जारी रखने के लिए किसी भी कीमत पर घरेलू गैस सिलेंडर हासिल करने का प्रयास करेंगे और अगर घरेलू गैस सिलेंडर का कमर्शियल प्रयोग होता है तो फिर कालाबाजारी की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। इसलिए प्रदेश सरकार ने इस कालाबाजारी को रोकने के लिए पुख्ता प्रबंध किए हैं जिसमें जिला रसद अधिकारियों को कालाबाजारी रोकने के लिए निर्देशित किया गया है कालाबाजारी करते हुए जो भी पकड़ा जाएगा उसके खिलाफ सरकार कड़ा एक्शन भी ले सकती है इसलिए अगर कोई गैस एजेंसी से जुड़ा कर्मचारी कहीं पर कालाबाजारी करता हुआ पकड़ा गया तो गैस एजेंसी के साथ-साथ पकड़े गए कर्मचारी के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करने के लिए जिला रसद अधिकारी को निर्देशित किया गया है। प्रदेश में घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर एक विचित्र स्थिति देखने को मिली है जिसमें कई जगहों पर यह शिकायत भी आई कि उनके गैस सिलेंडर 25 दिन के बाद भी बुक नहीं किया जा रहे तो कई जगहों पर गैस एजेंटीयों के दफ्तर के सामने बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ देखी गई हालांकि सरकार से जुड़े लोगों का कहना है कि प्रदेश में पर्याप्त गैस है इसलिए किसी भी ग्राहक को परेशान नहीं होने दिया जाएगा लेकिन कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई रोक देने के बाद में स्थिति ज्यादा खराब होती जा रही है क्योंकि जो लोग कमर्शियल गैस सिलेंडरों का उपयोग करते हैं वह अपने धंधे को किसी भी कीमत पर चालू रखने का प्रयास करेंगे और किसी भी कीमत पर घरेलू गैस सिलेंडर खरीदने की कोशिश भी करेंगे ऐसी स्थिति में गैस एजेंसी के संचालकों और उनके कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जिला रसद अधिकारी के नेतृत्व में प्रदेश के सभी जिलों में विशेष टीमों का गठन किया गया है।

CMYK

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरूवार
12 मार्च, 2026

शेडळ-शेडळ शीतला ए मां, थानै ए नवाजे म्हारी.......

शीतलाष्टमी पर भरा मेला, महिलाओं ने मंगल गीत गाकर सुनी शीतला माता की कहानी, माता को ठंडे पकवानों का भोग लगाकर मांगी खुशहाली की मन्नत

चूरू।

सुमेरपुर।

मण्डावा।

रतनगढ़।

सरदारशहर।

जालोर।

राजलदेसर।

जयपुर टाइम्स

चूरू। जिला मुख्यालय के तारानगर रोड़ स्थित शीतला माता मंदिर में बुधवार को शीतलाष्टमी पर भव्य मेला भरा। इस दौरान माता शीतला की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पहले दिन बनाए ठंडे पकवानों का भोग लगाकर शीतला माता को रिझाया। बुधवार सुबह 4 बजे से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई। श्रद्धालु विभिन्न साधनों से मंदिर पहुंचे। कई पैदल तो कई बाइक और ऑटो से पहुंचे। श्रद्धालुओं ने घर में बनाए गए मीठे चावल, राबड़ी, दही, बाजरे की रोटी और गुलगुलों का भोग लगाकर माता की पूजा-अर्चना कर अंचल में सुख-समृद्धि की कामना की। शीतला माता मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामावतार सैनी ने बताया कि रात दो बजे से ही भक्तों का आना शुरू हो गया था। शेडळ-शेडळ शीतला ए मां, थानै ए नवाजे म्हारी.......मंगल गीत गाती हुई महिलाएं मंदिर पहुंची। शीतला माता की पूजा अर्चना के बाद महिलाओं ने मंदिर परिसर में कहानी सुनी तथा मिट्टी का लड्डू बनाकर खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख समृद्धि और रोगों से मुक्ति, बच्चों के स्वास्थ्य और लंबी आयु के लिये माता से मन्नत मांगी। इधर मंदिर में व्यवस्था बनाये रखने के लिए कार्यकर्ताओं की टीम रात 2 बजे से ही सक्रिय हो गई। जगह-जगह पुलिस जाब्ता व महिला पुलिसकर्मी तैनात रही।

सुमेरपुर। शीतला सप्तमी के पावन अवसर पर सुमेरपुर स्थित 36 कौम शीतला माता मंदिर में बुधवार को आस्था, परंपरा और लोक संस्कृति का भव्य संगम देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा और माता के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। शाम ढलते ही यहां आयोजित गांवशाही गैर ने माहौल को और भी उल्लासपूर्ण बना दिया, जहां सैकड़ों गेरियों ने डबल ढोल, नगाड़ों और चंग की गूंजती थाप पर पारंपरिक गैर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में देर रात तक गैर की धूम रही। रंग-बिरंगे साफों और पारंपरिक वेशभूषा में सजे गेरियों के दल जब ढोल की थाप पर लयबद्ध कदमों से थिरकते हुए आगे बढ़े तो पूरा माहौल उत्सव में बदल गया। गैर देखने के लिए शहर ही नहीं बल्कि आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और देर रात तक इस अद्भुत लोक परंपरा का आनंद लेते रहे। सुबह से ही माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में माता की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कई श्रद्धालु दूर-दराज के गांवों से विशेष रूप से इस पावन पर्व पर माता के दर्शन के लिए पहुंचे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तहसीलदार हिमांशु कच्छवाह, थाना अधिकारी सवाई सिंह तथा कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के पुत्र दिनेश कुमावत भी पहुंचे और शीतला माता के दर्शन कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि शीतला माता मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां हर वर्ष शीतला सप्तमी पर आयोजित होने वाला यह भव्य आयोजन सुमेरपुर की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। उन्होंने श्रद्धालुओं की आस्था और मंदिर के महत्व को देखते हुए मंदिर के जीर्णोद्धार व विकास कार्यों के लिए 25 लाख रुपये देने की घोषणा की। उनकी इस घोषणा पर उपस्थित श्रद्धालुओं और मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शीतला सप्तमी पर यहां 36 कौम की सहभागिता के साथ गांवशाही गैर का आयोजन वर्षों से होता आ रहा है। यह आयोजन सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बन गया है, जिसमें सभी समाज के लोग मिलकर उत्साह के साथ भाग लेते हैं। शीतला सप्तमी को लेकर केवल सुमेरपुर ही नहीं बल्कि तखतगढ़, सांडेराव और आसपास के गांवों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। परंपरा के अनुसार घर-घर में एक दिन पहले ही बासोड़ा का भोजन तैयार किया गया और मंगलवार को माता को भोग लगाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया गया। मंदिरों में सुबह से ही महिलाओं और श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरे दिन धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला चलता रहा। मेले और धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए मंदिर ट्रस्ट और समिति के सदस्यों ने दिनभर व्यवस्थाओं की निगरानी की। आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में सत्यनारायण अग्रवाल, चम्पालाल छीपा, नगर पालिका उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा, सचिव नटवर रामीणा, शांतिलाल देवड़ा, चम्पालाल चान्दौरा, रमेश राठौड़, व्यापार मंडल अध्यक्ष पुखराज सोलंकी, नेनमल सोनी, रूपाराम देवड़ा, श्रीराम गौशाला अध्यक्ष धीरज सांखला, पार्षद प्रेम बरूत, जेठाराम घांची, शंकरलाल भाटी, राजेश जोशी, जैसाराम मेघवाल, शांतिलाल परमार, कांतीलाल सोलंकी सहित कई नागरिकों और ट्रस्ट सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। पूरे आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्ति, उल्लास और लोक संस्कृति की अनूठी झलक देखने को मिली। देर रात तक गैर और धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहा और श्रद्धालु माता के जयकारों के साथ इस भव्य आयोजन का आनंद लेते नजर आए।

सुजानगढ़

राजलदेसर।

मण्डावा। मण्डावा उपखण्ड मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में बुधवार को शीतला अष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही महिलाएं शीतला माता के मंदिरों में पूजा-अर्चना करने पहुंचीं। उन्होंने अपने बच्चों के स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। शीतला अष्टमी का त्योहार हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण पर्वों में से एक माना जाता है। यह त्योहार होली के बाद चैत्र कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बासी भोजन खाने की परंपरा है, इसलिए इसे 'बासोड़ा' भी कहते हैं। इस त्योहार में माता शीतला की पूजा का विशेष विधान है। माता को भोग लगाने के लिए मंगलवार रात को ही महिलाओं ने घरों में लोक व्यंजन गुलगला, राबड़ी, ढोकले, ओलिये, चावल, दही और अन्य पूजन सामग्री तैयार कर ली थी। मान्यता के अनुसार, रात को बनाए गए पकवान सुबह शीतला माता को भोग स्वरूप चढ़ाए जाते हैं। इस प्राचीन परंपरा में परिवार के सभी सदस्य ठंडा भोजन ही ग्रहण करते हैं। गांव के विभिन्न मंदिरों पर सुबह 5 बजे से ही महिलाओं का तांता लगना शुरू हो गया। चुनरी पहने और पूजन सामग्री सजाकर महिलाएं मंदिर पहुंचीं। मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए होड़ सी लगी रही। महिलाओं ने मां शीतला की मूर्ति पर विधिवत पूजन कर अपने हाथों से बनाए ठंडे पकवानों का भोग लगाया। बच्चों को बीमारियों से दूर रखने और उनकी खुशहाली के लिए इस त्योहार को मनाने की परंपरा बरसों से चली आ रही है। इस दिन माता शीतला को बासी भोजन का भोग लगाने के साथ ही स्वयं भी प्रसाद के रूप में बासी भोजन ही ग्रहण किया जाता है। नाम के अनुसार ही शीतला माता को शीतल चीजें पसंद हैं। माँ शीतला का सर्वप्रथम उल्लेख स्कंद पुराण में मिलता है। उनका स्वरूप अत्यंत शीतल है और वे कष्ट व रोग हरने वाली मानी जाती हैं। गधा उनकी सवारी है और उनके हाथों में कलश, झाड़ू तथा नीम के पत्ते होते हैं। मुख्य रूप से इनकी उपासना गर्मी के मौसम में की जाती है

सरदारशहर। तहसील भर में बुधवार को श्रद्धा भाव के साथ शीतला माता की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के ताल मैदान में स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर में बासोड़ा पर्व पर शीतला माता के विशाल मेले का आयोजन किया गया। मेला देर रात्रि तक जारी रहा। जिसमें शहर व आसपास के गांवों के हजारों लोगों ने पहुंचकर शीतला माता की पूजा-अर्चना की। मेले के चलते बुधवार अल सुबह से ही माता के दर्शन के लिए लोगों की लाइनें लग गईं। मेला बासोड़ा पर्व पर लगता है। जिसमें एक दिन पहले रात को पूरे शहर व आसपास गांवों के लोग पकवान बनाते हैं। जिसके बाद सुबह इन पकवानों को लेकर शीतला माता के मंदिर में जाते हैं। जहां इन पकवानों का भोग लगाकर माता शीतला की पूजा कर अपने बच्चों की लंबी उम्र की कामना की जाती है। शहरवासी रात को बनाए पकवानों को सुबह माता के भोग लगाकर उनको सुबह तथा कई लोग दिनभर खाते हैं। इसी लिए इस दिन को बासोड़ा पर्व भी कहते हैं। बासोड़ा पर शीतला माता के मेले में सुबह 4 बजे के बाद से ही भक्तों की लंबी-लंबी लाइनें लगनी शुरू हो गई थीं। लोगों का एक से 2 घंटे में माता के दर्शनों के लिए नंबर आ रहा था। वहीं मेला स्थल पर भी लोगों की भारी भीड़ देखी गई। मेले को देखते हैं पुलिस की भी चाकचौबंद व्यवस्था की गई है। मेले में विभिन्न प्रकार के सामानों की दुकानें भी सजी हैं। जिनमें खिलौने, कृषि उपकरण, घरेलू सामान और महिला श्रृंगार से संबंधित सामान प्रमुख हैं। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं और पुलिस के जवान मेले की सुरक्षा और व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाले हुए हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता शीतला को देवी पार्वती का स्वरूप माना जाता है। कहा जाता है कि माता अपने भक्तों को बीमारियों और महामारी से बचाती हैं। इसलिए इस दिन भक्त पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ व्रत रखते हैं और माता की पूजा करते हैं। इस पर्व की एक खास परंपरा यह भी है कि शीतला अष्टमी के दिन घर में चूल्हा या गैस नहीं जलाया जाता। माता को ठंडक प्रिय मानी जाती है। इसलिए इस दिन ठंडा और बासी भोजन ही चढ़ाया जाता है।

जालोर। भाद्राजून में शीतला माता पूजन, जागरण एवं गेर महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। भाद्राजून ढाणी स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में चैत्र कृष्ण षष्ठी की रात्रि को आयोजित जागरण में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भजन-कीर्तन के साथ माता की आराधना की। कार्यक्रम में महेंद्र लोहार एंड पार्टी (चांदराई) तथा जीवन सिंह भाटी एंड पार्टी (भाद्राजून) ने भक्तिमय भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। महेंद्र लोहार ने शीतला माता, खेतलाजी, हनुमानजी और शिवजी के भजनों के साथ देव फाग गीत प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। वहीं 'नाचो-नाचो' गीत की धुन पर श्रोता झूम उठे। जीवन सिंह भाटी एंड पार्टी ने भी देशी भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान देव नृत्य और करतब कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन कालूराम प्रजापत ने किया। चैत्र कृष्ण सप्तमी की अलसुबह शीतला माता का विधिवत पूजन किया गया। इस दौरान स्थानीय महिलाएं मंगल गीत गाते हुए मंदिर पहुंचीं और माता को ठंडे खाद्य का भोग लगाकर सभी के निरोगी रहने की कामना की। मंदिर परिसर में माता के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। दोपहर में ध्वज आरोहण के साथ गेर उत्सव का शुभारंभ हुआ, जिसमें आसपास के गांवों की गेर मंडलियों ने भाग लिया। ढोल-नगाड़ों की थाप, घुंघरुओं और डांडियों की खनक के बीच पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने आकर्षक गेर नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। महिलाओं ने दिनभर लूर नृत्य कर फाग गीतों के साथ उत्सव का आनंद बढ़ाया। गांव के चौहटे में महिलाओं ने शीतला माता की पौराणिक कथा सुनी और पक्षियों के लिए दाना चुग्गा किया। साथ ही वृक्षों में जल सींचकर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया तथा गांव में निरोगी वातावरण की कामना की। मेले के समापन पर भाग लेने वाली सभी गेर मंडलियों का बहुमान किया गया। प्रतियोगिता में आकड़ेश्वर महादेव गेर, पीपरला धानी प्रथम तथा बजरंग बली गेर, रामा द्वितीय स्थान पर रही। अंत में श्रद्धालुओं को गुड़ प्रसाद का वितरण किया गया।

राजलदेसर। शीतला अष्टमी के अवसर पर सुभाष चौक स्थित शीतला माता मंदिर में परंपरागत मेला भरा, जहां दिनभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। श्रद्धालुओं ने माता को बासी भोजन और ठंडा जल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि व स्वास्थ्य की कामना की। हालांकि मेले में व्यवस्थाओं के अभाव के कारण श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। राज्य सरकार द्वारा गठित तहसील स्तरीय समिति, जिसमें उपखंड अधिकारी अध्यक्ष के साथ तहसीलदार, विकास अधिकारी, सहायक अभियंता, जोविवि एनएल तथा थानाप्रभारी सहित अन्य अधिकारियों की जिम्मेदारी तय है, लेकिन इसके बावजूद मौके पर अपेक्षित व्यवस्थाएं नजर नहीं आईं। मंदिर परिसर और आसपास बेसहारा पशुओं की मौजूदगी से श्रद्धालुओं में भय का माहौल बना रहा। भीड़ अधिक होने और रेहड़ियों के कारण रास्ते संकरे हो गए, जिससे कई बार धक्का-मुक्की और हल्की नोकझोंक की स्थिति भी बनी। गनीमत रही कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर वर्ष मेले में पुलिस बल की तैनाती की जाती है, लेकिन इस बार पर्याप्त पुलिस व्यवस्था नजर नहीं आई। वहीं नगरपालिका की ओर से भी भीड़ प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए।

सुजानगढ़ शीतलाष्टमी का पर्व शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। घर-घर में माता को बासी व्यंजनों का भोग लगाकर बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। नाथोतालाब स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर में शीतला माता का मेला भरा, जहां पर भक्तों की भीड़ उमड़ी। यहां आयोजित मेले में श्रद्धालुओं ने माता को ठंडे पकवानों का भोग लगाकर निरोग रहने की प्रार्थना की। महिलाएं दही, राबड़ी, छाछ, घी, शहद, अंकुरित बिरिया, मिश्री आदि का भोग लगाया गया। पुजारी गोपाल कृष्ण ने बताया कि मंगलवार की रात से ही महिलाओं ने धोक लगाना शुरू कर दिया था। बुधवार सुबह तक दस हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं में माता के दर्शन किए। भक्त कतारों में लग कर जल्दी दर्शन कर पाए। मेले में बड़ी संख्या में स्टॉल भी लगे। प्रशासन की ओर से पुलिस टीम ने सुरक्षा का जिम्मा संभाले रखा। मलजी परिवार के किशोर कुमार, मांगीलाल, मनोज कुमार, बंकट, कालीचरण, दीपचंद, हजारीमल, गणेश, दिनेश, शिवम्, अंकित, विकी, आशीष, देव, शनि, अनिल, लालू, राहुल, रोहित आदि ने व्यवस्थाएं संभाली।

रतनगढ़। क्षेत्र में बुधवार को मां शीतला की पूजा-अर्चना की गई। लोकगीत गाती महिलाएं व युवतियां बुधवार की सुबह शीतला धोरा, अशोक स्तंभ, वाल्मीकि बस्ती एवं पंडितपुर स्थित शीतला माता मंदिरों में पहुंची तथा ठंडे पकवान का मां को भोग लगाते हुए मन्नौतियां मांगी। अलसुबह से ही शीतला माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया, जो दोपहर तक अनवरत जारी रहा। मंदिर में महिलाओं ने रात के बने पकवान व पूजा सामग्री की थाली सजाकर मंदिर आई तथा माता शीतला की पूजा-अर्चना करते हुए सुख-समृद्धि व निरोग रहने की कामना भी की। मंगलवार की रात शीतला मंदिरों में रात्रि जागरण का आयोजन भी हुआ। घरों में लोगों ने बुधवार को ठंडा भोजन ग्रहण किया। वहीं महिलाओं के विशेष त्यौंहार गणगौर की तैयारियों में बुधवार को नवविहिताएं व युवतियां व्यस्त रही। समाज की बुजुर्ग महिलाओं के सानिध्य में नवविवाहिताओं व युवतियों ने शुक्रवार की शाम पक्की गणगौर का निर्माण किया। होली के दूसरे दिन से 16 दिवसीय इस त्यौंहार के पूजन का कार्य प्रारंभ हो जाता है, लेकिन बास्योड़ा के दिन पक्की गणगौर का निर्माण करके पूजन शुरू किया जाता है। अब गुरुवार से क्षेत्र में गणगौर का बंदौरा निकालने की परंपरा शुरू हो जाएगी। इसी के साथ सुबह व शाम के समय गणगौर माता के कर्णप्रिय गीतों की आवाजें भी सुनाई देगी, जो गणगौर के दिन पूजा-अर्चना के बाद संपन्न होगी। अधिकांशतः नवविवाहिताएं गणगौर की पूजा अपने पीहर में आकर करती है।क्षेत्र में बुधवार को मां शीतला की पूजा-अर्चना की गई। लोकगीत गाती महिलाएं व युवतियां बुधवार की सुबह शीतला धोरा, अशोक स्तंभ, वाल्मीकि बस्ती एवं पंडितपुर स्थित शीतला माता मंदिरों में पहुंची तथा ठंडे पकवान का मां को भोग लगाते हुए मन्नौतियां मांगी। अलसुबह से ही शीतला माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया, जो दोपहर तक अनवरत जारी रहा। मंदिर में महिलाओं ने रात के बने पकवान व पूजा सामग्री की थाली सजाकर मंदिर आई तथा माता शीतला की पूजा-अर्चना करते हुए सुख-समृद्धि व निरोग रहने की कामना भी की। मंगलवार की रात शीतला मंदिरों में रात्रि जागरण का आयोजन भी हुआ। घरों में लोगों ने बुधवार को ठंडा भोजन ग्रहण किया। वहीं महिलाओं के विशेष त्यौंहार गणगौर की तैयारियों में बुधवार को नवविहिताएं व युवतियां व्यस्त रही। समाज की बुजुर्ग महिलाओं के सानिध्य में नवविवाहिताओं व युवतियों ने शुक्रवार की शाम पक्की गणगौर का निर्माण किया। होली के दूसरे दिन से 16 दिवसीय इस त्यौंहार के पूजन का कार्य प्रारंभ हो जाता है, लेकिन बास्योड़ा के दिन पक्की गणगौर का निर्माण करके पूजन शुरू किया जाता है। अब गुरुवार से क्षेत्र में गणगौर का बंदौरा निकालने की परंपरा शुरू हो जाएगी। इसी के साथ सुबह व शाम के समय गणगौर माता के कर्णप्रिय गीतों की आवाजें भी सुनाई देगी, जो गणगौर के दिन पूजा-अर्चना के बाद संपन्न होगी। अधिकांशतः नवविवाहिताएं गणगौर की पूजा अपने पीहर में आकर करती है।

राजलदेसर। क्षेत्र में शीतलाष्टमी के दिन नवविवाहिता व कन्या ने मिट्टी की गणगौर का निर्माण किया। नवविवाहिता सज्ज धज्ज का कुम्हार के घर से मिट्टी लाई और गणगौर, ईशर माली मालन की मिट्टी की प्रतिमा बनाई। गणगौर के गीत गा कर नाच कर गणगौर पुजन किया। गली मोहल्लों में गणगौर के गीत सुनाई दिये।साथ महिलाओं ने जवारे उगाए। नवविवाहिता विधी विधान से गणगौर पूजन कर रही है।

न्यायिक सेवा में चयन होने पर आयुषी शर्मा का किया भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निस)। क्षेत्र की होनहार बेटी आयुषी शर्मा ने गुजरात ज्यूडिशियल सर्विसेज में चयनित होकर परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जैसे ही आयुषी के जज बनने की खबर परिवार तक पहुँची, घर में खुशी का माहौल छा गया। आयुषी के पिता जो स्वयं पेशे से वकील हैं। अपनी बेटी की इस सफलता की खबर सुनकर भावुक हो उठे। उन्होंने गर्व से अपनी बेटी को सैल्यूट किया और खुशी के आँसुओं के साथ उसे गले लगा लिया। यह दृश्य वहाँ मौजूद हर व्यक्ति के लिए बेहद भावुक और गर्व से भर देने वाला था। आयुषी की यह शानदार उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और सही मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कठिन परिश्रम, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी इस सफलता ने पूरे चौमूं क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने आयुषी शर्मा का माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान पूर्व विधायक

रामलाल शर्मा, डॉ. जेपी सैनी, जय किशन सैनी, राहुल शर्मा, हजारीलाल शर्मा, कैलाश तिवाड़ी, मेघराज शर्मा, संजय शर्मा, रमाकांत तिवाड़ी, ब्रह्मदत्त शर्मा, भुवनेश तिवाड़ी, पवन शर्मा, सुरेश गोदारा, गौरव सैनी, भुवनेश तिवाड़ी, सीएम सैनी, राजेंद्र गुलिया, राम मनोहर शर्मा, लालचंद शर्मा, जितेंद्र शर्मा, विनोद बासोदिया, नरेंद्र शर्मा, अनिल वशिष्ठ, कृष्ण बिहारी शर्मा, अजय मेठी, अनुराग शर्मा, धर्मेंद्र छिपा और बनवारी शर्मा सहित अनेक लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आयुषी की यह उपलब्धि क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा है। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि आयुषी शर्मा न्याय और सत्य के मार्ग पर चलते हुए समाज और देश की सेवा करें तथा अपने जीवन में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करें।

राजास में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के तहत प्रभावी मूल्यांकन सर्वे आयोजित

जयपुर टाइम्स

नावां सिटी(निस)। उपखण्ड मुख्यालय के ग्राम राजास में वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभावी मूल्यांकन सर्वे का आयोजन किया गया। यह सर्वे भारतीय रिजर्व बैंक जयपुर के निर्देशानुसार हंसा रिसर्च ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर की ओर से वित्तीय साक्षरता केन्द्र परबतसर के माध्यम से आयोजित किया गया। सर्वे का संचालन सुपरवाइजर सर्वेश कुमार के नेतृत्व में किया गया। उनकी टीम में श्रवण कुमार, सूरज कुमार और ललित कुमार शामिल रहे। टीम ने कुल 32 प्रतिभागियों का सर्वे किया। इनमें से 16 प्रतिभागियों का सर्वे वित्तीय साक्षरता शिविर से पहले किया गया, जबकि उन्हीं 16 प्रतिभागियों का पुनः सर्वे शिविर के बाद किया गया, ताकि कार्यक्रम के प्रभाव

का सही आकलन किया जा सके। इसके अतिरिक्त शिविर के दौरान अन्य 16 प्रतिभागियों से संवाद कर उनसे भी आवश्यक जानकारी एकत्रित की गई। सर्वे के दौरान प्रतिभागियों से वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग सेवाओं की जानकारी, सरकारी योजनाओं का लाभ, बचत की आदत, डिजिटल भुगतान और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े विषयों पर प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। इसका उद्देश्य ग्रामीणों में वित्तीय जागरूकता के स्तर का आकलन करना और भविष्य में और प्रभावी कार्यक्रमों की योजना बनाना रहा। इस अवसर पर आरोह फाउंडेशन के स्टेट हेड सत्येन्द्र कुमार, जिला समन्वयक बनवारी लाल, सेंटर मैनेजर अंकित, सहायक वित्तीय परामर्शदाता जीतेन्द्र और मोतीराम, तकनीकी सेवा प्रदाता आयुष तथा बैंक बीसी रामचन्द्र कुमावत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता और सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

घरेलू कार्य को राष्ट्रीय आय में शामिल कर महिलाओं को न्यूनतम बुनियादी आय देने की मांग : राधा मोहन अग्रवाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी, राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने राज्यसभा में देश की आधी आबादी से जुड़े एक ज्वलंत, प्रासंगिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दे को उठाया। उन्होंने सदन के पटल पर महिलाओं द्वारा घर और परिवार के लिए किए जाने वाले घरेलू कार्यों के आर्थिक मूल्यांकन का विषय प्रमुखता से रखते हुए कहा कि देश की महिलाओं का श्रम अब तक अनदेखा रहा है, जबकि उसका समाज और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि महिलाएं भारतीय समाज की मूल इकाई परिवार की रीढ़ हैं। परिवार के संचालन, बच्चों के पालन-पोषण, बुजुर्गों की देखभाल, भोजन व्यवस्था, घर

की सफाई और अन्य दैनिक कार्यों में उनका अमूल्य योगदान रहता है। इसके बावजूद इन कार्यों को आर्थिक दृष्टि से कोई मान्यता नहीं मिलती और न ही राष्ट्रीय आय की गणना में इन्हें शामिल किया जाता है। यदि देश की करोड़ों महिलाओं के प्रतिदिन किए जाने वाले घरेलू कार्यों का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए, तो यह भारत की अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान सिद्ध होगा। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों में भी यह तथ्य सामने आया है कि महिलाओं द्वारा किया जाने वाला अवैतनिक घरेलू श्रम यदि आर्थिक मूल्य में जोड़ा जाए, तो यह किसी भी देश के सकल घरेलू उत्पाद का बड़ा हिस्सा बन सकता है। भारत जैसे विशाल देश में यह योगदान और भी अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है। अग्रवाल ने सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि समय आ गया है कि महिलाओं के घरेलू श्रम को केवल पारिवारिक जिम्मेदारी के रूप में न देखा जाए, बल्कि उसे औपचारिक आर्थिक योगदान के रूप में मान्यता दी जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को इस दिशा में ठोस नीति बनानी चाहिए, ताकि घरेलू महिलाओं के कार्यों को राष्ट्रीय आय की गणना में शामिल किया जा सके। अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं को केवल सहानुभूति या दया की दृष्टि से देखने की बजाय उनके श्रम का सम्मान किया जाना चाहिए। समाज और व्यवस्था को यह स्वीकार करना होगा कि घर के भीतर किया जाने वाला कार्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना बाहर किया जाने वाला रोजगार या व्यवसाय। यदि सरकार इस दिशा में पहल करती है तो इससे महिलाओं का आत्मसम्मान बढ़ेगा और समाज में उनकी भूमिका को नई पहचान मिलेगी। उच्च सदन में डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने यह प्रस्ताव भी रखा कि घरेलू महिलाओं के लिए न्यूनतम बुनियादी आय की व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। ऐसी व्यवस्था महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी और उनके योगदान को मान्यता भी मिलेगी। इससे परिवारों की आर्थिक स्थिरता मजबूत होगी और महिलाओं की सामाजिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। आज देश में करोड़ों महिलाएं ऐसी हैं जो पूरे दिन घर और परिवार की जिम्मेदारियों में लगी रहती हैं, लेकिन उन्हें आर्थिक रूप से निर्भर माना जाता है। यह स्थिति बदलने की आवश्यकता है। यदि उनके श्रम का आर्थिक मूल्य निर्धारित किया जाए और उन्हें न्यूनतम आय की व्यवस्था दी जाए, तो इससे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि महिलाओं का सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि नीतिगत निर्णयों से होना चाहिए। उन्होंने सरकार और नीति निर्माताओं से आग्रह किया कि महिलाओं के घरेलू श्रम को औपचारिक रूप से मान्यता देने और उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में व्यापक विमर्श और ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि भारत की सामाजिक और आर्थिक प्रगति में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि महिलाओं के योगदान को सही मायनों में स्वीकार किया जाए और उन्हें अधिकार तथा सम्मान दिया जाए, तो यह देश के समग्र विकास के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

मकान में पूछताछ करने गए पुलिस कर्मियों पर मां बेटी ने मिलकर कुत्ता छोड़ा, हेड कांस्टेबल घायल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश के बीकानेर में जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना इलाके में एक मामले में पूछताछ करने मकान पर गए सहायक उप निरीक्षक और हेड कांस्टेबल पर मकान में मौजूद एक महिला और उसकी बेटी ने पालतू कुत्ते को छोड़ दिया जिसके बाद कुत्ते ने हेड कांस्टेबल पर हमला बोला जिसकी वजह से वह घायल हो गया हेड कांस्टेबल के साथ मौजूद सहायक उप निरीक्षक ने बड़ी मुश्किल से हेड कांस्टेबल को कुत्ते के चंगुल से बचाया घायल हुए हेड कांस्टेबल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है जानकारी के अनुसार बीकानेर के जयनारायण व्यास कॉलोनी पुलिस स्टेशन में नियुक्त सहायक निरीक्षक और एक अन्य हेड कांस्टेबल एक मामले में पूछताछ करने के लिए मकान पर गए थे जहां मकान में मौजूद एक महिला और उसकी बेटी ने खुद को मकान में बंद कर लिया और मकान के दरवाजे को अंदर से बंद करके सहायक निरीक्षक और हेड कांस्टेबल पर अपना पालतू कुत्ता छोड़ दिया जिसकी वजह से कुत्ते ने भागते हुए हेड कांस्टेबल पर हमला बोला अचानक कुत्ते के हमले से हेड कांस्टेबल घबरा गया इस दौरान कुत्ते ने उसकी कई जगह से काट डाला इस दौरान हेड कांस्टेबल के साथ मौजूद सहायक उप निरीक्षक ने बड़ी मुश्किल से कुत्ते के चंगुल से हेड कांस्टेबल को बचाया अब इस मामले में मां और बेटी के खिलाफ पुलिस ने एक और मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है

टोंक हिंसा में पत्थर बाजों पर हो सकती है बुलडोजर करवाई, गिराए जाएंगे अवैध निर्माण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। पिछले दिनों पुरानी टोंक में हुई हिंसा के मामले में पत्थर फेंकने वालों के खिलाफ पुलिस, जिला प्रशासन और निकाय प्रशासन कड़े फैसले ले सकती है इसी क्रम में संकेत मिले हैं कि इस मामले में अरेस्ट किए गए अभियुक्तों की ओर से किए गए अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त किया जा सकता है इसके लिए आवश्यक कानूनी और कागजी प्रक्रिया शुरू किए जाने के संकेत भी मिले हैं जानकारी के अनुसार टोंक जिला भाजपा और पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया पिछले दिनों टोंक में हुई हिंसा गतिविधियों को लेकर काफी नाराज और गुस्से में हैं जौनपुरिया का भी कहना है कि अगर कड़ी कार्रवाई नहीं की जाएगी तो फिर आने वाले दिनों में और भी यहां अशांति फैलाने का प्रयास किया जा सकता है इसलिए जो आरोपी हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना बहुत जरूरी हो जाता है इसीलिए पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया टोंक भाजपा जिला अध्यक्ष और अन्य लोगों के साथ जिला कलेक्टर से मुलाकात करके आए थे मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंप कर दिल्ली में जो घटना हुई उसको लेकर भी गहरा एतराज जताया इसके अलावा टोंक में पिछले दिनों जिस तरह से अशांति और दहशत फैलाने का प्रयास किया गया उसमें आरोपी लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई जिला कलेक्टर ने साफ कहा है कि इस मामले में दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी अब ऐसे कहा जा रहा है कि जिन लोगों को अरेस्ट किया गया है और इस मामले में जिन लोगों को आरोपी बनाया गया है उनकी ओर से किए गए सभी अतिक्रमण नष्टकिए जाएंगे तथा अवैध खनन और तमाम तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अब जिला प्रशासन और पुलिस कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में है इसलिए बहुत जल्दी ही आरोपी लोगों के खिलाफ योगी स्टाइल में यहां भी कार्रवाई हो सकती है उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों पुरानी टोंक में दो संप्रदाय के बीच आपस में हुए झगड़े में जबरदस्त पत्थर बाजी देखने को मिली थी जिसमें लोग घायल भी हुए थे बाद में टोंक पुलिस और जिला प्रशासन की ओर से मौके पर सुरक्षा के मजबूत प्रबंध किए गए हैं हाल ही में ड्रोन से पूरे इलाके में स्थित सभी मकान के छत की निगरानी की गई जिसमें कई जगहों पर छत पर पत्थर भी देखने को मिले थे इन पत्थर को हटाने के लिए पुलिस ने लोगों को चेतावनी भी दी है पुलिस लगातार इलाके में गस्त कर रही है इसके अलावा सामाजिक संगठनों व्यापारिक संगठनों प्रबुद्ध लोगों के साथ मिलकर मौके पर शांति व्यवस्था कायम किए जाने के प्रयास भी किया जा रहे हैं हालांकि स्थिति नियंत्रण में है लेकिन अभी रमजान का महीना जारी है इसलिए पुलिस और जिला प्रशासन इलाके की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखे हुएहैं

शीतला माता मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ : ठंडे पकवानों का लगाया भोग, गधों की हुई पूजा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश में बुधवार को राजधानी जयपुर और जयपुर के निकट चाकसू में करीब 600 साल पुराने शीतला माता मंदिर के अलावा प्रदेश भर के सभी शीतला माता मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई महिलाएं बड़ी संख्या में मौके पर मंदिर में पहुंची और मंदिर में ठंडे पकवानों का भोग लगाया तथा इस मौके पर महिलाओं ने गधों की पूजा अर्चना भी की जयपुर के निकट चाकसू स्थित शीतला माता मंदिर में हर साल की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में पहुंचे और ठंडे पकवानों का भोग लगाकर परिवार में सुख समृद्धि की कामना की इस मंदिर में आज भी सर्वप्रथम राज परिवार की ओर से पकवान ही भोग के रूप में माता के अर्पित किए जाते हैं इसके बाद आमजन सीता माता की यहां पूजा करते हैं इस मेले में लाखों की संख्या में हर साल श्रद्धालु यहां आते हैं तथा यहां पर गधों का मेला भी भरता है जिसमें प्रदेश भर के गधों के कारोबारी यहां पर गधों के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं यहां पर आने वाले श्रद्धालु इन गधों की भी पूजा अर्चना करते हैं मान्यता है कि शीतला माता के ठंडे पकवानों का भोग लगाने से परिवार में सुख समृद्धि आती है और बीमारी दूर हो जाती है चाकसू में स्थित शीतला माता का मंदिर करीब 600 साल पुराना है और यहां दो दिनों तक लगातार विशाल मेला भरता है जिसमें राजस्थान के कोने-कोने से लोग आते हैं इसके अलावा अन्य राज्यों के लोग भी यहां पर माता के दर्शन करने के लिए आते हैं द्य यहां शीतला माता के मेले के लिए सभी तरह की अच्छी व्यवस्थाएं की गई है मौके पर बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं ।

गति शक्ति विश्वविद्यालय ने क्षमता निर्माण आयोग के साथ मिलकर क्षमता निर्माण प्रयासों के लिए हाथ मिलाया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) ने बुधवार को वडोदरा में प्रशिक्षण संस्थानों के लिए सतत वित्तपोषण, शासन और संसाधन जुटाने पर एक पश्चिमी क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया। गति शक्ति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में पश्चिमी राज्यों के सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों (सीएसटीआई) के 26 प्रतिभागियों ने संस्थागत वित्तपोषण और शासन में प्रमुख सुधारों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर सीबीसी और गति शक्ति विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो सहयोगात्मक क्षमता निर्माण प्रयासों के प्रति एक महत्वपूर्ण औपचारिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यशाला सत्रों में मसौदा रूपरेखा संरचना और नीति दिशा पर एक साझा सहमति स्थापित हुई। कार्यशाला में दो विषयगत समूहों ने प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। पहला समूह सतत वित्तपोषण पर केंद्रित था। इसमें वित्तीय संरचनाओं और बजट मॉडलों पर चर्चा हुई। राजस्व प्रतिधारण, पुनर्विनियोजन और आगे ले जाने की व्यवस्थाओं का विश्लेषण किया गया। समूह ने राजस्व सृजन के संभावित तरीकों का भी पता लगाया। दूसरा समूह शासन और संसाधन जुटाने पर केंद्रित था। इसमें शक्तियों के प्रत्यायोजन और शासी निकाय की कार्यप्रणाली पर विचार-विमर्श किया गया। शैक्षणिक और प्रशासनिक स्वायत्तता चर्चा के प्रमुख क्षेत्र थे। समूह ने अवसंरचना उपयोग नीति पर भी विचार किया। संस्थागत विशेषज्ञता का लाभ उठाने और डिजिटल विस्तार तथा साझेदारी पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ सीबीसी की प्रधान सलाहकार चंद्रलेखा मुखर्जी के स्वागत भाषण से हुआ। इसके बाद गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज चौधरी ने संबोधित किया और क्षमता निर्माण के उभरते परिदृश्य में जीएसवी की भूमिका पर प्रकाश डाला। सीबीसी की अध्यक्ष एस. राधा चौहान ने संस्थागत सुदृढ़ीकरण के माध्यम से सीएसटीआई को भविष्य के लिए तैयार करने पर चर्चा की और विकसित भारत 2047 की दिशा में एक सशक्त सीएसटीआई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में सीबीसी की सहायक भूमिका को रेखांकित किया। सीबीसी ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्रीय परामर्श से प्राप्त अंतर्दृष्टि को राष्ट्रीय स्तर पर समेकित अनुशंसाओं में शामिल किया जाएगा, जिनका उद्देश्य सतत वित्तपोषण तंत्र को मजबूत करना, शासन संरचनाओं में सुधार करना और सिविल सेवा प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र में संसाधन जुटाने की क्षमताओं को बढ़ाना है।

मकान की 7 फीट ऊंची दीवार को कुद कर पैंथर पालतू डॉग को उठा ले गया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश में लेपर्ड पैंथर वन्यजीवों के जंगल से निकलकर आवासीय बस्तियों में घुसने के मामले निरंतर जारी हैं जंगल से भूख और प्यास मिटाने के लिए जंगल के नजदीक स्थित आवासीयबस्तियों में पैंथर इंसान और पालतू पशुओं पर पिछले कुछ महीनो से रोजाना प्रदेश में कहीं ना कहीं हमला कर रहे हैं जिसमें जानवरों और लोगों की कई बार जान भी गई है इसी तरह का एक ताजा मामला मंगलवार की देर रात प्रदेश के पाली जिले के बाली में एक पैंथर जंगल छोड़कर जंगल के नजदीक एक खेत में आता है वहां पर पूर्व सरपंच प्रवीण सोनी का मकान है इस मकान में एक पालतू डॉग भी है पैंथर चुपचाप घात लगाकर मकान के बाहर बैठा हुआ वहां मौजूद सीसीटीवी कैमरे में साफ नजर भी आ रहा है और फिर अचानक वह प्रवीण सोनी की मकान की करीब 7 फीट ऊंची चारदीवारी को छलांगा मार कर मकान के अंदर पहुंचता है और वहां पालतू डॉग को उठाकर जंगल की ओर भाग जाता है यह सारा दृश्य वहां मौजूद सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हुआ यह कोई पहला मामला नहीं है जब पैंथर पालतू जानवर को उठाकर ले गया हो अभी कुछ दिन पहले खेत में एक कमरे की छत पर सो रहे कृषक को पैंथर उठा कर ले जाता है और फिर उसकी बॉडी को जगह-जगह से नोच कर खा जाता है कृषक का एक पांव उसकी बॉडी से काफी दूर पड़ा हुआ मिला था इसके अलावा प्रदेश में पिछले कुछ महीनो से निरंतर कहीं ना कहीं जंगल छोड़कर आवासीय बस्तियों में घुसने के पैंथर के मूवमेंट की खबरें मीडिया की सुर्खियों में बनी हुई है यहां तक की राजधानी जयपुर में भी पैंथर का

मूवमेंट पिछले कुछ महीनो से लगातार देखा जा रहा है पिछले कुछ महीना में राजधानी जयपुर में पैंथर दुर्गापुर मालवीय नगर, झालाना, ट्रांसपोर्ट नगर ,चांदपोल बाजार, सिविल लाइंस इत्यादि कई इलाकों में विचरण करते हुए देखा गया है इसके अलावा डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ, भीलवाड़ा ,कोटा, झालावाड, बूंदी इत्यादि जिलों में भी लेपर्ड पैंथर के हमले पिछले कुछ महीनो में खूब देखने को मिले हैं इसी तरह से बुधवार को प्रदेश के अजमेर जिले में अराई क्षेत्र में भी पैंथर के पगमार्क मिलने के बाद स्थानीय लोगों में दहशत छा गई है खेत में पैंथर के दिखाई देने के बाद स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचित किया सूचना मिलने के बाद वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है वन विभाग के अधिकारियों ने भी पगमार्ग देखकर पैंथर की पुष्टि की है और स्थानीय लोगों को सावधानी बरसाने को कहा है वन विभाग की टीम पैंथर की लोकेशन का पता लग रही है लेकिन ऐसा लग रहा है कि पैंथर वापस जंगल में चला गया ।

डोटासरा की पंचायत और नगर निकाय चुनाव की तैयारी युद्ध स्तर पर जारी, नागौर में ली बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश में पंचायत राज और नगर निकाय के चुनाव की तारीख अभी डिक्लेअर नहीं हुई है अभी चुनाव को लेकर असमंजस की स्थिति भी बरकरार है लेकिन प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पंचायत राज और नगर निकाय की चुनाव की तैयारी के लिए जोर शोर से जुटे हुए हैं इसी क्रम में उन्होंने नागौर में नागौर जिला कांग्रेस पार्टी के संगठन से जुड़े पदाधिकारी के साथ विशेष बैठक का आयोजन किया और बैठक में कांग्रेस पार्टी के संगठन को और मजबूती प्रदान करने तथा प्रदेश के भजनलाल और केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर आयोजित किए जाने वाले तमाम तरह के धरने प्रदर्शन रैली जुलूस जैसे कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा और समर्पित भाव से संपादित करने के निर्देश दिए डोटासरा में बैठक में कांग्रेस जनों से साफ कहा है कि अब आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी में सिर्फ पार्टी के संगठन के लिए कार्य करने वाले नेताओं को ही अच्छे मौके दिए जाएंगे जो नेता चुनाव के दौरान सक्रिय होते हैं उन्हें अब अहमियत नहीं दी जाएगी जानकारी के अनुसार नागौर में कांग्रेस पार्टी के संगठन से जुड़े नेताओं के साथ की गई मीटिंग में गैस संकट को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई और इस मामले में डोटासरा ने बैठक में कहा कि भारत सरकार ने अमेरिका इजरायल और ईरान युद्ध के बारे में कभी भी सार्वजनिक रूप से चिंता प्रकट नहीं की है डोटासरा ने कहा कि गैस संकट के मामले में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से ठोस कदम नहीं उठाए जाने के मामले को लेकर अब कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश भर में जोर-जोर से उठाएगी इसके लिए कांग्रेस पार्टी की ओर से जिला स्तर पर प्रदर्शन किए जाने की बात भी डोटासरा ने कही है । डोटासरा में बैठक में मौजूद पार्टी के अनुसार साफ कहा है कि पार्टी की मजबूती के लिए जरूरी है कि सभी सामूहिक रूप से कार्य करें और आपस में समन्वय और सामंजस्य बिठाते हुए पार्टी की मजबूती के लिए कार्यकरें उल्लेखनीय है कि अभी कुछ दिन पहले

ही प्रदेश के चुनाव आयोग ने प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा था कि आयोग को ओबीसी के आंकड़ों से संबंधी जो रिपोर्ट भेजी गई है वह अधूरी है उसमें कई तरह की कमियां हैं इसलिए पंचायत चुनाव में वार्ड पंच के आरक्षण निर्धारित करने में दिक्कत आ सकती है इसलिए प्रदेश के जिला कलेक्टर से फिर से ओबीसी से जुड़े तमाम तरह के आंकड़ों को पारदर्शिता के साथ तैयार करके दोबारा से आयोग को प्रेषित करें इस तरह से आयोग की ओर से ओबीसी से जुड़े आंकड़ों में कई तरह की कमियां बताने के बाद अब ऐसा लगता है कि कोर्ट ने 15 अप्रैल से पहले पंचायत राज चुनाव करवाने की जो गाइडलाइन तय की थी शायद अब आयोग की ओर से ओबीसी से जुड़े आंकड़ों को गलत बताने के बाद 15 अप्रैल तक चुनाव आयोजित करवाना काफी मुश्किल लग रहा है इसलिए पंचायत राज चुनाव कुछ महीने खिसक सकते हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी का कहना है कि एक न एक दिन तो सरकार को चुनाव करवाने ही पड़ेंगे इसलिए कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश भर में पंचायत राज और नगर निकाय चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है कांग्रेस पार्टी का कहना है कि प्रदेश की भाजपा सरकार जानबूझकर पंचायत राज के चुनाव नहीं करवा रही क्योंकि सरकार की छवि जनता में अच्छी नहीं है इसलिए अपनी संभावित हार को देखते हुए प्रदेश सरकार चुनाव नहीं करवा रही और कई तरह के बहाने बनाकर चुनाव से बच रही है।

उत्तर पश्चिम रेलवे की सिगनल विभाग की कार्यप्रणाली को आधुनिक और डिजीटल बनाने की ओर महत्वपूर्ण पहल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में सिगनल विभाग की कार्यप्रणाली को बेहतर, आधुनिक और डिजीटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। सिंगल मेंटेनेंस एंड मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत प्रथम चरण में सिगनल विभाग के कर्मचारियों को 100 हैंड-हेल्ड टैबलेट उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य सिगनलिंग परिसंपत्तियों के रख-रखाव और प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाना है। साथ ही डेटा को रियल-टाइम के आधार पर अपडेट करना है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार इन टैबलेट उपकरणों का उपयोग सिगनल विभाग के कर्मचारियों द्वारा सिगनलिंग सिस्टम से संबंधित विभिन्न तकनीकी कार्यों और मेंटेनेंस गतिविधियों के रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से दर्ज करने के लिए किया जाएगा। अब तक सिगनलिंग उपकरणों के रख-रखाव का रिकॉर्ड मुख्य रूप से पारंपरिक कागजी पद्धति से तैयार किया जाता था, लेकिन सिंगल मेंटेनेंस एंड मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से यह प्रक्रिया डिजीटल रूप में भी उपलब्ध रहेगी। इससे रिकॉर्ड के संरक्षण, विश्लेषण और निगरानी में काफी सुविधा होगी। फील्ड में कार्यरत सिगनल विभाग के कर्मचारियों को सिगनलिंग परिसंपत्तियों से

संबंधित डेटा को रियल-टाइम में अपडेट करने और आवश्यक तकनीकी जानकारी त्वरित तरीके से प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इससे कर्मचारियों को कार्यस्थल पर ही डिजीटल माध्यम से अनुरक्षण रिपोर्ट जारी करने और अपडेट करने में भी सुविधा उपलब्ध होगी। इस डिजीटल प्रणाली के उपयोग से सिग्नलिंग परिसंपत्तियों की निगरानी पहले की तुलना में अधिक सटीक और प्रभावी हो सकेगी। साथ ही अनुरक्षण कार्यों का रियल-टाइम रिकॉर्ड उपलब्ध होने से किसी भी तकनीकी समस्या की पहचान और समाधान में तेजी आएगी। इस प्रणाली से डिजीटल रिकॉर्डिंग और रियल-टाइम डेटा मॉनिटरिंग से सिगनलिंग प्रणाली की विश्वसनीयता में सुधार होगा, साथ ही रेलवे संरक्षा भी सुदृढ़ होगी।

जयपुर में गैस के बढ़ते दाम और कमी को लेकर कांग्रेस जनों ने चूल्हा जलाकर प्रदर्शन किया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मिडिल ईस्ट में युद्ध के बाद राजस्थान में भी गैस सिलेंडरों की कमी को लेकर गैस एजेंसी के बाहर लोगों की लंबी-लंबी कतार देखने को मिली है हालांकि राजस्थान सरकार से जुड़े लोगों ने साफ कहा है कि राजस्थान में फिलहाल गैस की कोई कमी नहीं है और किसी को भी परेशान नहीं होने दिया जाएगा लेकिन प्रदेश के प्रमुख कांग्रेस दल अब इस मामले को जोर-जोर से उठा रहा है हालांकि प्रदेश में कई जगहों पर गैस एजेंसी के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी लाइन भी देखने को मिली है और कई जगहों पर ऐसी शिकायत भी मिली है कि 25 दिन के बाद भी गैस की बुकिंग नहीं हो रही है इसलिए कहीं ना कहीं या तो कालाबाजारी का

कारोबार शुरू हो गया है या फिर कहीं ना कहीं प्रदेश में गैस की कमी जरूर है इसीलिए राजस्थान में कई जगहों पर लोग अब सड़कों पर भी आ गए हैं इसी क्रम में राजधानी जयपुर में भी झालाना में राजस्थान कांग्रेस के अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के अध्यक्षता योग्यता शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने रसोई गैस में हुई कीमतों में वृद्धि और रसोई गैस की कमी के विरोध में चूला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया कांग्रेस जनों का कहना है कि डबल इंजन की सरकार सिर्फ कागजों में और मीडिया में बयान बाजी करके यह कह रही है कि देश में ईंधन की कमी नहीं है हकीकत यह है कि राजस्थान के एसएमएस अस्पताल में ही गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत हो गई है स्कूलों में गैस सिलेंडर की सप्लाई रोक दी गई है कमर्शियल गैस सप्लाई रोक दी गई है जिसकी वजह से प्रदेश का होटल रेस्टोरेंट कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है और होटल में तहरे देश-विदेश के लोगों को खाना नसीब नहीं हो रहा है हालत काफी बिगड़ गए हैं फिर भी प्रदेश की भजन लाल सरकार यह कहती है कि प्रदेश में ईंधन की कमी नहीं है जानकारी के अनुसार राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आवाहन पर अब कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रदेश भर में जिला स्तर पर रसोई गैस की कीमतों में हुई वृद्धि और प्रदेश में रसोई गैस की भारी किल्लत के विरोध में प्रदर्शन किए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है कांग्रेस पार्टी अब इस मामले को लेकर जोर-जोर से जनता के बीच जाने की तैयारी में व्यस्त हो गई है हालांकि राजस्थान सरकार बार-बार यह कह रही है कि प्रदेश में रसोई गैस की कोई कमी नहीं है लेकिन बुधवार को प्रदेश में कई जगहों पर गैस एजेंसी के बाहर लोगों की बड़ी भीड़ देखी गई और गैस एजेंसी के संचालक और लोगों के बीच आपस में बहस और विवाद की स्थिति भी देखी गई दूसरी तरफ कमर्शियल गैस सिलेंडर बंद कर देने से होटल कारोबार से जुड़े लोग भी काफी परेशान हैं जानकार लोगों का कहना है कि हो सकता है प्रदेश के होटल और रेस्टोरेंट संचालक घरेलू गैस सिलेंडर को किसी भी दाम में खरीद कर अपने कारोबार को जारी रखने का प्रयास जरूर करेंगे इसलिए हो सकता है जिस तरह से कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद कर देने के बाद होटल और रेस्टोरेंट में घरेलू गैस सिलेंडर काम में लिए जा रहे हो इसलिए सिलेंडरों की कमी आ गई हो कुल मिलाकर कालाबाजारी का सिलसिला शुरू हो चुका है ।

संस्कार

'अम्मा, मैंने तुमसे हजार बार कहा है- कि चिंटू के सामने अपनी ये गंवारी भाषा मत बोला करो।
कल उसका 'इंटरनेशनल स्कूल' में इंटरव्यू है।
अगर उसने वहां जाकर 'का हो', 'का हाल बा' या 'राम-राम' बोल दिया न, तो मेरी नाक कट जाएगी।
तुम्हें पता है वहां डोनेशन देकर भी एडमिशन नहीं मिलता, सिर्फ स्टेटस और क्लास देखी जाती है।'
समीर ने अपनी माँ, कावेरी देवी पर झुंझलाते हुए कहा।
कावेरी देवी, जो गांव से आई थीं और शुद्ध देसी बोली बोलती थीं, बेटे की डांट सुनकर चुप हो गईं। उन्होंने अपनी पोटली में से जो लड्डू निकाले थे, उन्हें वापस अंदर रख लिया।
उनका मन था कि पोते को अपने हाथ के बने लड्डू खिलाएं और ढेर सारा आशीर्वाद दें, लेकिन बेटे के 'स्टेटस' के आगे उनकी ममता सहम गई।
समीर और उसकी पत्नी, रिया, अपने पांच साल के बेटे आरव (चिंटू) को पिछले एक महीने से तोते की तरह रटा रहे थे।
'से हेलो,' 'से गुड मॉर्निंग,' 'माय नेम इज़ आरव।'
घर का माहौल ऐसा था जैसे कोई मिलिट्री ट्रेनिंग चल रही हो। कावेरी देवी को सख्त हिदायत थी कि जब तक आरव का इंटरव्यू न हो जाए, वो उससे दूर ही रहें, ताकि उनकी 'देहाती' भाषा का असर बच्चे की 'क्लास' पर न पड़े।
अगले दिन सुबह, समीर, रिया और आरव स्कूल पहुंचे। शहर का सबसे प्रतिष्ठित स्कूल, जहां अमीरों की लंबी कतारें लगी थीं।
हर कोई इंग्लिश में बात कर रहा था।
समीर और रिया नर्वस थे। तभी उनका नंबर आया।
प्रिंसिपल का केबिन बहुत बड़ा था। मिस्टर डिसूजा, जो स्कूल के प्रिंसिपल थे, एक सख्त मिजाज के व्यक्ति माने जाते थे।
उन्होंने आरव से अंग्रेजी में नाम पूछा, रंगों के नाम पूछे। आरव ने रटे-रटाए जवाब दे दिए।
समीर और रिया के चेहरे पर मुस्कान थी। सब कुछ प्लान के मुताबिक हो रहा था।
तभी मिस्टर डिसूजा ने अपनी पेन नीचे रखी और आरव की आँखों में देखकर पूछा: 'बेटा, जब आपके घर में कोई बड़ा मेहमान आता है, या आप अपने दादा-दादी से मिलते हो, तो सबसे पहले क्या करते हो?
'
समीर का दिल धक से रह गया। उसने यह तो सिखाया ही नहीं था।
उसने बस 'हाय-हैलो' सिखाया था।
आरव चुप हो गया। समीर ने इशारे से उसे 'गुड मॉर्निंग' बोलने को कहा।
लेकिन आरव ने वो नहीं किया जो समीर ने सिखाया था। आरव अपनी कुर्सी से नीचे उतरा,
धीरे-धीरे चलकर प्रिंसिपल मिस्टर डिसूजा के पास गया और झुककर उनके पैर छुए।
फिर हाथ जोड़कर बड़ी मासूमियत से बोला, 'परनाम गुरुजी! राम-राम!'
कमरे में सन्नाटा छा गया। समीर को लगा कि अब तो रिजेक्शन पक्का है।
उसे अपनी माँ पर गुस्सा आने लगा- कि ज़रूर छिपकर उन्होंने ही यह सब सिखाया होगा।
रिया ने अपना माथा पकड़ लिया।
लेकिन अगले ही पल कुछ ऐसा हुआ जिसकी समीर ने कल्पना भी नहीं की थी।
मिस्टर डिसूजा, जो अब तक गंभीर थे, जोर से हँस पड़े। उन्होंने आरव को उठाकर गोद में बैठा लिया।
'मिस्टर समीर,' प्रिंसिपल ने कहा, 'आज सुबह से मैंने पचास बच्चों का इंटरव्यू लिया।
सब रोबोट की तरह 'हाय', 'हैलो' और 'गुड मॉर्निंग' बोल रहे थे।
लेकिन आपके बेटे ने जो किया, वो हमारी संस्कृति है। यह संस्कार किताबों में नहीं मिलते।'
समीर हक्का-बक्का रह गया।
मिस्टर डिसूजा ने आगे कहा:
'आजकल के पढ़े-लिखे मां-बाप अपने बच्चों को अंग्रेज बनाने की होड़ में अपनी जड़ें काट रहे हैं।
बच्चा अंग्रेजी तो स्कूल में सीख ही लेगा, लेकिन बड़ों के पैर छूना, 'राम-राम' कहना, अपनी भाषा पर गर्व करना... यह तो घर से ही मिलता है। कौन सिखाता है इसे यह सब?'
आरव चहकते हुए बोला, 'मेरी दादी! वो कहती हैं कि विद्या तो विनय देती है, और सबसे बड़ी पढ़ाई झुकना होता है।'
प्रिंसिपल ने समीर की ओर देखा, 'आपकी माँ को मेरा नमन कहिएगा। उनका पोता आज सिर्फ इसलिए सेलेक्ट हुआ है क्योंकि उसके पास एक अलग पहचान है।
भाषा संवाद का जरिया है, शर्म का विषय नहीं।'
घर लौटते वक्त गाड़ी में सन्नाटा था। समीर को अपने कहे शब्द याद आ रहे थे- 'गंवारी भाषा,' 'नाक कट जाएगी।' आज उसी 'गंवारी' संस्कार ने उसे सबसे बड़े स्कूल में सम्मान दिलाया था।
घर पहुँचते ही समीर सीधा अपनी माँ के पास गया। कावेरी देवी आंगन में तुलसी के पास बैठी थीं। समीर ने बिना कुछ बोले अपनी माँ के चरणों में सिर रख दिया।
'अरे-अरे, क्या हुआ लल्ला? इंटरव्यू खराब हो गया क्या?
मैंने कहा था न, मेरी परछाई मत पड़ने देना उस पर,' कावेरी देवी ने घबराते हुए कहा।
'नहीं माँ,' समीर की आँखों में पश्चाताप के आंसू थे।
'इंटरव्यू बहुत अच्छा हुआ। और वो सिर्फ तुम्हारी वजह से।
मुझे माफ़ कर दो माँ। मैं भूल गया था कि पेड़ चाहे कितना भी ऊँचा हो जाए, अगर जड़ों से कट गया तो सूख जाएगा।'
समीर ने आरव को पास बुलाया और कहा, 'बेटा, दादी को बताओ तुमने स्कूल में क्या किया।'
जब आरव ने बताया, तो कावेरी देवी ने उसे गले लगा लिया।
उस दिन समीर को समझ आ गया कि सूट-बूट और अंग्रेजी से आप 'मॉडर्न' बन सकते हैं,
लेकिन 'इंसान' आप अपने संस्कारों से ही बनते हैं। उसने महसूस किया कि सच ही कहा जाता है-
अनपढ़ लोगों की वजह से ही हमारी मातृभाषा और संस्कृति बची हुई है, वरना हम जैसे पढ़े-लिखे लोग तो अब 'राम-राम' बोलने में भी शरमाते हैं और उसे पिछड़ापन मानते हैं।
उस शाम समीर ने भी घर में घुसते वक्त माँ से 'हाय मॉम' नहीं, बल्कि हाथ जोड़कर 'राम-राम' कहा। कावेरी देवी की झुर्रियों भरे चेहरे पर जो मुस्कान आई, वो किसी भी डिग्री से ज्यादा कीमती थी।
कहानी का सारः
आधुनिक बनना गलत नहीं है, लेकिन अपनी जड़ों,अपनी भाषा और अपने बुजुर्गों को भूल जाना सबसे बड़ी नासमझी है।
अंग्रेजी एक भाषा है,हुनर है, लेकिन हमारी मातृभाषा और हमारे संस्कार हमारी पहचान हैं। अपनी संस्कृति पर शर्मिंदा न हों, बल्कि गर्व करें...????

सफलता को व्यापक स्वरूप देने का समय

खेल से जुड़े उतार-चढ़ाव भी इस पूरे टूर्नामेंट में दिखाई दिए। संजू सैमसन, जो मूल टीम का हिस्सा भी नहीं थे, 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' बनकर उभरे। अभिषेक शर्मा, जो हमारे प्रमुख बल्लेबाज के रूप में टूर्नामेंट में गए थे, शुरुआती खराब फार्म के दौर से गुजरे। जब उनकी जगह पर सवाल उठने लगे, तब उन्होंने फाइनल में एक शानदार पारी खेली। इशान किशन ने चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और व्यक्तिगत दुख के बावजूद फाइनल में हमारे सलामी बल्लेबाजों द्वारा प्रदान की गई लय को आगे बढ़ाया। हमारी यह जीत कप्तान के महत्वपूर्ण योगदान के बिना भी (सिवाय अमेरिका के विरुद्ध पहले मैच में) संभव हो सकी। इसमें जहां तिलक वर्मा और पांड्या ने कुछ अवसरों पर स्थिति को संभाला, वहीं शिवम दुबे ने एक फिनिशर के रूप में अपने प्रदर्शन से निरंतरता की छाप छोड़ी। बुमराह बेशक एक अभूतपूर्व खिलाड़ी बने हुए हैं। वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 'आल फार्मेट' गेंदबाज हैं। भारत के लिए सौभाग्य की बात है कि दुनिया भर के बल्लेबाज अब तक उनकी काट नहीं ढूंढ़ पाए हैं। वहीं, अक्षर पटेल ने गेंद के साथ-साथ मैदान पर अपनी सूझबूझ और फुर्ती से महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रशंसा के लिए लगभग पूरी टीम का उल्लेख आवश्यक है। यह हमारी सामूहिक शक्ति और खेल में गहरी पैठ का प्रमाण है। यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ी निरंतर कड़ी मेहनत और प्रदर्शन के प्रति सचेत रहें। यहां पुरानी उपलब्धियों पर सुकून से बैठने का समय नहीं मिलता, क्योंकि प्रतिभाशाली युवाओं की एक लंबी कतार हमेशा जगह

भारत में आज क्रिकेट लेखक एक सुखद दुविधा से गुजर रहे हैं। जैसे-जैसे हमारे क्रिकेटर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, लेखकों को उनकी जीत और इस ऐतिहासिक निरंतरता के गुणगान के लिए शब्दकोशों में नए विशेषणों, ताजा अभिव्यक्तियों और सटीक मुहावरों की तलाश करनी पड़ रही है। पिछले तीन वर्षों में सीमित ओवरों की भारतीय टीम ने आकाशीय ऊंचाइयों को छुआ है। 2023 के वनडे विश्व कप फाइनल की हृदयविदारक हार के बाद से हमारी सफलता का ग्राफ निरंतर ऊपर ही रहा है। हमने 2024 का टी-20 विश्व कप जीता, मार्च 2025 में चैंपियंस ट्राफी, अक्टूबर 2025 में एशिया कप और अब सफलतापूर्वक अपने टी-20 खिताब का बचाव किया है। इस हालिया जीत से कई उपलब्धियां पहली बार हासिल हुईं।

भारत ने रिकार्ड तीसरा टी-20 विश्व कप खिताब जीता और हम खिताब का बचाव करने वाली और पहली विजेता मेजबान टीम बने। पिछले पांच बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में से हमने चार जीते और उनमें हमारा जीत-हार का रिकार्ड 37-2 रहा है। यह वास्तव में भारतीय टीम की निरंतरता और प्रभुत्व का ठोस प्रमाण है। हर सफलता कुछ शौर्यगाथाओं को जन्म देती है। सुखद यह है कि इस विजयगाथा में योगदान देने वाले इतने अधिक खिलाड़ी हैं कि सभी को याद रखना या कुछ ही लोगों की प्रशंसा करना कठिन हो जाता है। यह एक बेहतरीन स्थिति है। आखिरकार क्रिकेट एक टीम खेल ही है, जहां व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक टीम की सफलता मायने रखती है-वह दर्शन जिस पर जोर देने का कोई अवसर कोच गंभीर कभी नहीं छोड़ते।

खेल से जुड़े उतार-चढ़ाव भी इस पूरे टूर्नामेंट में दिखाई दिए। संजू सैमसन, जो मूल टीम का हिस्सा भी नहीं थे, 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' बनकर उभरे। अभिषेक शर्मा, जो हमारे प्रमुख बल्लेबाज के रूप में टूर्नामेंट में गए थे, शुरुआती खराब फार्म के दौर से गुजरे। जब उनकी जगह पर सवाल उठने लगे, तब उन्होंने फाइनल में एक शानदार पारी खेली। इशान किशन ने चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और व्यक्तिगत दुख के बावजूद फाइनल में हमारे सलामी बल्लेबाजों द्वारा प्रदान की गई लय को आगे बढ़ाया।

हमारी यह जीत कप्तान के महत्वपूर्ण योगदान के बिना भी (सिवाय अमेरिका के विरुद्ध पहले मैच में) संभव हो सकी। इसमें जहां तिलक वर्मा और पांड्या ने कुछ अवसरों पर स्थिति को संभाला, वहीं शिवम दुबे ने एक फिनिशर के रूप में अपने प्रदर्शन से निरंतरता की छाप छोड़ी। बुमराह बेशक एक अभूतपूर्व खिलाड़ी बने हुए हैं। वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 'आल फार्मेट' गेंदबाज हैं। भारत के लिए सौभाग्य की बात है कि दुनिया भर के बल्लेबाज अब तक उनकी काट नहीं ढूंढ़ पाए हैं। वहीं, अक्षर पटेल ने गेंद के साथ-साथ मैदान पर अपनी सूझबूझ और फुर्ती से महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रशंसा के लिए लगभग पूरी टीम का उल्लेख आवश्यक है। यह हमारी सामूहिक शक्ति और खेल में गहरी पैठ का प्रमाण है। यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ी निरंतर कड़ी मेहनत और प्रदर्शन के प्रति सचेत रहें। यहां पुरानी उपलब्धियों पर सुकून से बैठने का समय नहीं मिलता, क्योंकि प्रतिभाशाली युवाओं की एक लंबी कतार हमेशा जगह लेने के लिए तैयार रहती है। इससे असुरक्षा या दबाव पैदा हो सकता है, लेकिन यही भाव क्रिकेटरों को शिथिलता से परहेज करने के लिए प्रेरित करता है, जो लंबे करियर के लिए एक आवश्यक तत्व है। जीत जश्न मनाने का अवसर है, लेकिन निरंतरता के लिए आत्मनिरीक्षण भी जरूरी है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में हमने विशेष सफलता हासिल की है, लेकिन खेल के मूल यानी टेस्ट प्रारूप का क्या? 2025 के इंग्लैंड के दौरे को छोड़ दें, तो पिछले डेढ़ साल में टेस्ट प्रारूप में हमारा प्रदर्शन औसत से नीचे रहा है। हम आस्ट्रेलिया में हारे और घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सूपड़ा साफ होने की जिल्लत झेलनी पड़ी। वह शायद भारतीय टेस्ट टीम के लिए सबसे निचला स्तर था।

अतीत की महान टीमें चाहे वह सत्तर और अस्सी के दशक की वेस्टइंडीज हो या 2000 के दशक की आस्ट्रेलिया-हर परिस्थिति में सभी प्रारूपों पर राज करती थीं। यह प्रशासकों के सोचने का विषय है कि जहां आइपीएल सीमित ओवरों की प्रतिभा निखारने का बेहतरीन माध्यम है, वहीं पांच दिवसीय क्रिकेट में इसे दोहराने के लिए हमें घरेलू क्रिकेट-वही पुराने रणजी ट्राफी, दलीप ट्राफी और ईरानी कप-पर अधिक ध्यान देना होगा। हमारी बल्लेबाजी में तो गहराई है, पर गेंदबाजी को और पैना करने की जरूरत है। हम बुमराह पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं और अश्विन की विदाई ने एक ऐसी रिक्तता पैदा की है, जिसे भरना कठिन है।

22 गज की पट्टी से परे देखें तो एक खेल राष्ट्र के रूप में भारत का उदय अभी अधूरा है।

सुहाने सपने दिखाते सिविल सेवक

आने वाले दिनों में यूपीएससी में सफल अभ्यर्थियों के ऐसे साक्षात्कार पढ़ने-सुनने को मिल सकते हैं, जिनमें वे बताएंगे कि कैसे देश और समाज सेवा के जज्बे ने उन्हें सिविल सेवक बनने को प्रेरित किया। लगभग हर सफल अभ्यर्थी का स्वर यही होता है कि वह समाज के लिए कुछ करना चाहता था और इसका सबसे उत्तम उपाय सिविल सेवा में जाना था। इसमें संदेह नहीं कि आइएएस, आइपीएस जैसे पद सबसे सामर्थ्यवान हैं। इन पर आसीन होने वाले अपने विभाग या क्षेत्र की तस्वीर और लोगों का भाग्य बदल सकने में समर्थ होते हैं, पर क्या औसत सिविल सेवक ऐसा कर पा रहे हैं? यह वह प्रश्न है, जिस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। सिविल सेवकों को प्रशासनिक सेवा की रीढ़ माना जाता है। प्रशासन में उनके योगदान को रेखांकित करने के लिए प्रति वर्ष 21 अप्रैल को सिविल सेवा दिवस मनाया जाता है, क्योंकि 1947 में

संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी की परीक्षा को देश ही नहीं, दुनिया की कठिनतम परीक्षाओं में से एक माना जाता है। इसी कारण इस परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों के नाम सबका ध्यान खींचते हैं। सफल अभ्यर्थी और विशेष रूप से शीर्ष स्थान अर्जित करने वाले अपने माता-पिता और शिक्षण संस्थान का नाम रोशन करते हैं। जो साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं, उनकी सफलता पूरे समुदाय में गर्व का भाव जगाती है। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि भारतीय समाज में आइएएस और विशेष रूप से कलेक्टर यानी डीएम बनना प्रतिष्ठा का परिचायक रहा है। यूपीएससी यानी सिविल सेवा परीक्षा पास करना प्रतिष्ठा का कितना बड़ा विषय है, इसे इससे समझा जा सकता है कि कई जगह सफल अभ्यर्थियों का गाजे-बाजे के साथ स्वागत-सत्कार होता है।

बीते दिनों यूपीएससी परीक्षा में सफल रहे कई अभ्यर्थियों का उनके गांव-घर में कुछ उसी भव्य तरीके से स्वागत किया गया, जैसे किसी नवनिर्वाचित नेता के चुनाव जीत लेने पर होता है। एक अभ्यर्थी ने अपने स्वागत के समय कार में सवार होकर जनता का अभिवादन किया और लोगों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाईं। एक के स्वागत में लोग संगीत की धुन पर नाचते और अभ्यर्थी को नोटों की माला पहनाते दिखे। एक अन्य के काफिले में लैंड रोवर, डिफेंडर जैसी लक्जरी गाड़ियां नजर आईं। कुछ पुराने सिविल सेवकों ने सफल अभ्यर्थियों के नेताओं सरीखे ऐसे भव्य स्वागत पर असहमति और अप्रसन्नता प्रकट की। कुछ ने उन्हें नसीहत दी कि यूपीएससी परीक्षा पास करना मात्र कोई इतनी बड़ी उपलब्धि नहीं कि उनका ढोल बजाकर स्वागत किया जाए। इस असहमति का कुछ मूल्य-महत्व हो सकता है, लेकिन क्या कोई उस पर ध्यान देगा?

आने वाले दिनों में यूपीएससी में सफल अभ्यर्थियों के ऐसे साक्षात्कार पढ़ने-सुनने को मिल सकते हैं, जिनमें वे बताएंगे कि कैसे देश और समाज सेवा के जज्बे ने उन्हें सिविल सेवक बनने को प्रेरित किया। लगभग हर सफल अभ्यर्थी का स्वर यही होता है कि वह समाज के लिए कुछ करना चाहता था और इसका सबसे उत्तम उपाय सिविल सेवा में जाना था। इसमें संदेह नहीं कि आइएएस, आइपीएस जैसे पद सबसे सामर्थ्यवान हैं। इन पर आसीन होने वाले अपने विभाग या क्षेत्र की तस्वीर और लोगों का भाग्य बदल सकने में समर्थ होते हैं, पर क्या औसत सिविल सेवक ऐसा कर पा रहे हैं? यह वह प्रश्न है, जिस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

सिविल सेवकों को प्रशासनिक सेवा की रीढ़ माना जाता है। प्रशासन में उनके योगदान को रेखांकित करने के लिए प्रति वर्ष 21 अप्रैल को सिविल सेवा दिवस मनाया जाता है, क्योंकि 1947 में इसी तिथि को सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रथम बैच के अधिकारियों को संबोधित किया था। इसी संबोधन में उन्होंने सिविल सेवकों को इस्पाती ढांचे की संज्ञा दी थी, पर पिछले काफी समय से यह स्वर उभर रहा है कि इस इस्पाती ढांचे को जंग लग चुकी है। इसी के साथ सिविल सेवकों की कार्यप्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता भी जताई जा रही है। कहना कठिन है कि इस आवश्यकता की पूर्ति होगी या नहीं, क्योंकि मनमोहन सरकार के समय जिस प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन किया गया था, उसकी सिफारिशों पर आज तक अमल नहीं हुआ। यह अमल मोदी सरकार की ओर से बार-बार यह कहते रहने के बाद भी नहीं हुआ कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति अपनाई गई है। इस कथित जीरो टालरेंस नीति के बावजूद नौकरशाहों के भ्रष्टाचार के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। नौकरशाहों के साथ नेताओं के भ्रष्टाचार के मामले सामने आते ही रहते हैं। आम तौर पर नेता तभी भ्रष्टाचार करने में समर्थ होते हैं, जब उन्हें भ्रष्ट नौकरशाहों का साथ मिलता है।

पीएम कुसुम योजना अंतर्गत सौर संयंत्र लगने से बदली खेती की तस्वीर

मनीष कुमार,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी, चूरू

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अब किसान समृद्ध हो रहे हैं तथा खेती की तस्वीर बदल रही है। ऐसा ही एक उदाहरण है चूरू जिले के की सरदारशहर तहसील के अमरसर गांव के किसान मघदास पुत्र दुर्गादास स्वामी का, जिन्होंने पीएम कुसुम योजना का लाभ लेकर अपनी खेती को नई दिशा दी है। किसान मघदास बताते हैं कि पहले उनके पास बिजली का कनेक्शन नहीं था। इसके कारण उन्हें केवल बारानी (बरसात आधारित) खेती पर निर्भर रहना पड़ता था। पानी की कमी के कारण वे साल में सिर्फ एक ही फसल ले पाते थे, जिससे खेती से उनकी आय बहुत कम थी। फिर उन्हें उद्यानिकी विभाग से पीएम कुसुम योजना के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने पीएम कुसुम योजना कंपोनेंट– बी के तहत उद्यानिकी विभाग की सहायता से 7.5 एचपी का सौर ऊर्जा संयंत्र व ट्यूबवेल से सिंचाई की स्थायी व्यवस्था की। उन्हें विभाग द्वारा 60 प्रतिशत अनुदान भी दिया गया। मघदास बताते हैं कि पीएम कुसुम योजना अंतर्गत सौर संयंत्र स्थापित होने के बाद उनकी खेती की स्थिति पूरी तरह बदल गई। उन्होंने सौर ऊर्जा संचालित पम्प संयंत्र स्थापित कर सिंचाई की स्थायी व्यवस्था बनाई। अब वे अपने ट्यूबवेल से लगभग 03 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई आसानी से कर सकते हैं। मघदास बताते हैं कि सौर संयंत्र स्थापित होने के बाद उनकी खेती में बड़ा परिवर्तन आया, वह यह कि पहले जहां उन्हें सिंचाई के लिए रात में खेतों पर जाना पड़ता था, वहीं अब वे दिन के समय ही सभी कृषि कार्य आराम से कर लेते हैं और अब रात में नहीं जागना पड़ता। मघदास का कहना है कि सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई प्रणाली किसानों के लिए बहुत उपयोगी है। इसी क्रम में जिन किसानों के पास कम भूमि है और बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं है, उनके लिए यह योजना विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो सकती है। मघदास कहते हैं कि सरकारी योजनाओं और आधुनिक तकनीक के सही उपयोग से खेती को अधिक उत्पादक और आयवर्धक बनाया जा सकता है। किसान मघदास बताते हैं कि इस सुविधा के कारण अब वे रबी और खरीफ दोनों मौसमों में फसल ले पा रहे हैं। परिणामस्वरूप उनकी खेती से होने वाली आय में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ है। वह योजना के संचालन के लिए सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार किसान समृद्धि की दिशा में बेहतरीन कार्य कर रही है।

महिला अधिकारिता विभाग के आयुक्त ने विभिन्न केंद्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। निदेशालय महिला अधिकारिता विभाग, जयपुर के आयुक्त राकेश राजोरिया ने झुंझुनूं जिले में महिला अधिकारिता विभाग के विभिन्न केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभाग की ओर से संचालित योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त राजोरिया ने सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर काउंसलरों से केंद्र की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली और सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने कार्यालय परिसर में संचालित क्रेच का निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने पन्नाधाय सुरक्षा व समान केंद्र का निरीक्षण कर काउंसलरों से उनके कार्यों के बारे में चर्चा की और विभागीय गतिविधियों में सक्रिय सहयोग देने के निर्देश दिए। वार्ड नंबर 12 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण करते

हुए उन्होंने उड़ान योजना के लाभार्थियों से संवाद किया तथा सैनिटरी पैड की गुणवत्ता और उपयोगिता के बारे में जानकारी ली। विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्योला ने बताया कि आयुक्त ने स्वस्थ झुंझुनूं का भी निरीक्षण किया और काउंसलरों से पूछा कि वे महिलाओं को किस प्रकार सहयोग प्रदान करती हैं तथा विभागीय योजनाओं का लाभ किस तरह पहुंचा रही हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी काउंसलरों को विभाग की योजनाओं की पूर्ण जानकारी होनी चाहिए ताकि जरूरतमंद महिलाओं को समय पर लाभ मिल सके।

आरकेसीएल के अंतर्गत जीएस एकेडमी में आरएससीआईटी व आरएससीएफए प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिकाओं से भी उन्होंने संवाद किया। उन्होंने बालिकाओं से पूछा कि वे किस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण ले रही हैं और उनसे किसी प्रकार की फीस तो नहीं ली जा रही है। साथ ही एकेडमी संचालक को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के बाद बालिकाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कंपनी और सीए से समन्वय किया जाए।

महिला अधिकारिता विभाग के स्वयं सहायता समूह की ओर से संचालित अमृता सहकारी बाजार (बुकतरी) का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने महिलाओं की ओर से तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की और महिलाओं के साहस व आत्मनिर्भरता की प्रशंसा करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

अलसीसर ब्लॉक की लूना ग्राम पंचायत में साथीन के महिला विकास केंद्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अन्य जिलों में भी साथीनों को ग्राम पंचायत स्तर पर अपने कार्यालय स्थापित करने के लिए प्रयास करने चाहिए। इस दौरान दो बालिकाओं के जन्म पर बेटी जन्मोत्सव तथा गोदभराई कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। धुंधरी ग्राम पंचायत में आयुक्त ने लीला और शबनम की ओर से एमएनएसयूपीवाई योजना के तहत लिए गए ऋण से संचालित व्यवसाय का अवलोकन किया और उनकी सराहना करते हुए आगे भी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। अलसीसर ब्लॉक में सुपरवाइजर कार्यालय का निरीक्षण करते हुए उन्होंने इसे पूरे राज्य के लिए रोल मॉडल बताया। यहां संचालित प्रशिक्षण केंद्र तथा व्यवस्थाओं की सराहना की। इस दौरान सरिता (साथीन भूधा का बास), फरजाना (साथीन पीथूसर) और सुमन (साथीन खरिया) से उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली और उनकी समस्याओं के बारे में भी पूछा। निरीक्षण के दौरान अलसीसर की पूजा कंवर, जो एक विधवा महिला हैं, की ओर से एमएनएसयूपीवाई योजना के तहत व्यवसाय शुरू करने की पहल की आयुक्त ने सराहना की। उन्होंने उनकी हिम्मत और आत्मनिर्भरता की प्रशंसा करते हुए अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

मकराना में 'किरण सोलर एजेंसी' का शुभारंभ, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने का संकल्प

जयपुर टाइम्स

मकराना(निस)। संगमरमर व्यापार मंडल कार्यालय के सामने यूटीएल सोलर के अधिकृत प्रतिष्ठान किरण सोलर एजेंसी का विधिवत शुभारंभ उद्योगपति अब्दुल अजीज गहलोत की ओर से किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक, युवा, बुजुर्ग व मातृशक्ति उपस्थित रही। एजेंसी संचालक शुभम चौहान ने बताया कि बढ़ती महंगाई और लगातार बढ़ रहे बिजली बिलों के कारण आमजन अब तेजी से सौर ऊर्जा (सोलर प्लांट) की ओर रुख कर रहे हैं। इसी आवश्यकता को देखते हुए इस नए प्रतिष्ठान की शुरुआत की गई है। उन्होंने भंवर लाल सैनी को नए प्रतिष्ठान के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईश्वर उनके व्यापार में निरंतर प्रगति व उन्नति प्रदान करें। कार्यक्रम में परम मित्र पंडित विमल पारीक, गुलाब भाटी सहित माली व सैनी समाज के लोग नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर शुभम चौहान ने सभी अतिथियों की ओर से दिए गए मान-सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सोलर प्लांट की मांग तेजी से बढ़ रही है। सरकार भी सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी प्रदान कर रही है, जिससे आमजन को राहत मिल रही है। किरण सोलर एजेंसी के माध्यम से लोगों को गुणवत्तापूर्ण सोलर उत्पाद और बेहतर सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।

गोचर भूमि में अवैध निर्माण का आरोप, कार्रवाई की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। गोचर भूमि में अवैध निर्माण की शिकायत की गई है। ठरड़ा रोड़ के निवासी निरंजन ने तहसीलदार, नगरपरिषद आयुक्त और उपखंड अधिकारी के नाम दिए अलग-अलग प्रार्थना पत्रों में बताया है कि अर्जुन पुत्र लच्छीराम की ओर से ठरड़ा रोड़ पर पंचमुखी बालाजी मंदिर के सामने 5 मार्च से लेकर अब तक ईंट, पत्थर, बजरी, कंकरीट आदि डालकर अवैध रूप से मकान का निर्माण करवाया जा रहा है। जबकि मोहल्ले के लोग उक्त गोचर भूमि में अवैध रूप से निर्माण करने के लिए मना कर रहे हैं। पत्र में तुरंत प्रभाव से अवैध निर्माण रूकवाये जाने की मांग की गई है।

इनका कहना है:

तहसीलदार गिरधारीलाल पारीक ने बताया कि मामले की शिकायत मिलते ही मौके पर पटवारी और गिरदावर को भेजकर रिपोर्ट मंगवाई गई है। जिस प्रकार की रिपोर्ट प्राप्त होगी, उसके आधार पर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पर मिले शव का 72 घंटे बाद अंतिम संस्कार

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। रतनगढ़- बीकानेर रेलवे ट्रैक पर भरपालसर गांव के पास 7 मार्च को मिले एक अज्ञात व्यक्ति के शव का शिनाख्त नहीं होने पर पुलिस व नगर पालिका ने अंतिम संस्कार कर दिया। राजलदेसर थाने के हेड कांस्टेबल रोशन लाल ने बताया कि शव मिलने के बाद उसे कब्जे में लेकर रतनगढ़ के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था और नियमानुसार पहचान के लिए 72 घंटे का समय दिया गया। निर्धारित अवधि बीतने के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी और यह भी पता नहीं चल पाया कि वह किस राज्य का निवासी था। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर नगर पालिका के सहयोग से रतनगढ़ के लिंक रोड स्थित श्रीराम मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार कर दिया। इस दौरान राजलदेसर थाना पुलिस के जवान और नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

मेले में भीड़-भाड़ का फायदा उठाकर तोड़ी सोने की चेन, एफआईआर नहीं

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मण्डावा में शीतला माता मंदिर के मेले में महिला के गले से सोने की चेन चोरी करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने भीड़भाड़ का फायदा उठाकर महिला के गले से 22 ग्राम पेंडेंट के सोने की चेन चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित महिला जब घर पहुंची तो उसे वारदात की जानकारी मिली। हालांकि पुलिस थाने में ऐसा मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार सरोज पत्नी दलिप देवड़ा निवासी मण्डावा शीतला माता मंदिर के मेले में गई थी। जहां भीड़ भाड़ में किसी बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन तोड़ ली। जिसमें 22 ग्राम का पेंडेंट भी लगा हुआ था। सरोज देवड़ा जब घर पहुंची तो उन्हें गले में सोने की चेन नहीं मिली।

प्रदेश में पर्याप्त गैस, एक भी उपभोक्ता को परेशान नहीं होने दिया जाएगा : प्रमुख शासन सचिव अंबरीश कुमार

जयपुर(निस) दुनिया में मिडिल ईस्ट युद्ध से तेल को लेकर जो हालात बने हैं उसका असर राजस्थान और पूरे भारतवर्ष में देखने को मिल रहा है लेकिन प्रदेश की भजनलाल सरकार प्रदेश में प्रत्येक उपभोक्ता को गैस सिलेंडर निर्धारित अवधि तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्प नजर आ रही है इसी क्रम में प्रमुख शासन सचिव अमरीश कुमार ने बुधवार को साफ कहा है कि प्रदेश में घरेलू गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है और प्रत्येक उपभोक्ता को निर्धारित अवधि पर जैसे पहले सिलेंडर पहुंचा जा रहा था वैसे ही अब पहुंचेगा उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रदेश के लोगों को बिल्कुल भी चिंता करने की जरूरत नहीं है अंबरीश कुमार ने बुधवार को शासन सचिवालय में विशेष बैठक का आयोजन किया इस बैठक में प्रदेश के विभिन्न तीन कंपनियों के प्रबंधन से जुड़े लोग शामिल थे तथा प्रमुख शासन सचिव ने प्रदेश भर के जिला रसद अधिकारियों से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की और जिलों में घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी को रोकने के लिए तमाम तरह के प्रबंध करने के निर्देश दिए और जो भी कालाबाजारी में लिप्त हो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी उन्होंने दिए हैं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बातचीत के दौरान प्रमुख शासन सचिव ने जिला रसद अधिकारियों से कहा है कि अगर जरूरत हो तो तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी बातचीत करके हल निकाला जाए लेकिन प्रत्येक उपभोक्ता को उसके घर तक गैस पहुंचाने की व्यवस्था की जाए ।

आतेला में शिवा वाटर पार्क होटल का उदघाटन

जयपुर टाइम्स

विराटनगर(निस)। कस्बे के निकटवर्ती नेशनल हाईवे संख्या 48 पर स्थित शिवा वाटर पार्क होटल का बुधवार को शुभारंभ धार्मिक विधि-विधान के साथ किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में कुलदीप धनकड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।कार्यक्रम महामंडलेश्वर महाराज रामदास के सानिध्य में संपन्न हुआ। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर फीता काटकर उद्घाटन समारोह को विधिवत संपन्न करवाया और उपस्थित लोगों को आशीर्वाद दिया।इस दौरान होटल के मालिक हरिराम चोरिया और मैनेजर अशोक गुर्जर की मौजूदगी में पूजा-अर्चना की गई। होटल प्रबंधन ने बताया कि शिवा वाटर पार्क होटल नेशनल हाईवे संख्या 48 हाईवे किंग के सामने स्थित है, जिससे क्षेत्र के लोगों और यात्रियों को बेहतर ठहरने व मनोरंजन की सुविधा मिलेगी।कार्यक्रम में भगूताराम, रामनिवास यादव, शंकरलाल राबड़,युवा नेता महेश यादव, सुरेश मीणा, गजानंद टीलावत, केसर गुर्जर, युवा नेता अमन खोज, पूरणमल नारनौलिया, शिवराम यादव, रामसिंह नारनौलिया, कृष्ण सांपला, मुकेश डाबड, ओमप्रकाश गोठवाल, शेरसिंह चोरिया, शंकरलाल चोरिया, धर्मसिंह भैंसलाना, सत्तार खान, मनीष ठुकरान, देवदत्त यादव, नरेंद्र वकील, घनश्याम यादव, महिपाल यादव सहित अनेक लोग मौजूद रहे। समारोह में क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की भी अच्छी खासी उपस्थिति रही।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

राजस्थान दिवस के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रम 15 से 19 मार्च तक होंगे आयोजित

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों सहित विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, बिजली, पानी, शिक्षा एवं चिकित्सा सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला कलेक्टर ने गर्मियों के मद्देनज़र जिले में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिला कलेक्टर ने बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि आवंटन से संबंधित प्रस्ताव शीघ्र भिजवाने के निर्देश भी दिए। जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग आगामी 15 से 19 मार्च तक राजस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राजस्थान दिवस सप्ताह के अंतर्गत 15 मार्च को विकसित राजस्थान रन, राजस्थान को जाने डिजिटल क्विज का रजिस्ट्रेशन व एक जिला एक उत्पाद मेले व प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। 17 मार्च को राजस्थान को जाने क्विज प्रतियोगिता का जिला स्तरीय आयोजन, 18 मार्च को जिले के मंदिरों में आरती आयोजित की जाएगी वहीं 19 मार्च को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कुमावत कुम्हार प्रजापत रेल कर्मचारी स्नेह मिलन समारोह 14 को

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस। कुमावत, कुम्हार, प्रजापत रेल कर्मचारी द्वितीय स्नेह मिलन समारोह 14 मार्च को प्रातः 9:15 बजे होली स्नेह मिलन समारोह समाज के प्रबुद्ध जनों व मातृ शक्ति की उपस्थिति में स्वास्तिक पैराडाइज गार्डन में आयोजित किया जाएगा। रेल परिवार फुलेरा के मुख्य लोको निरीक्षक कन्हैया लाल कुमावत ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत होंगे। जबकि राजस्थान सरकार के श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टॉक, राज्य उपभोगता आयोग अध्यक्ष उर्मिला वर्मा, विधायक डूंगरराम गैदर, राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव एडवोकेट मनीष कुमावत, भा.ज.पा. ओबीसी प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष डॉ महेंद्र कुमावत, आरपीएस प्रभु लाल कुमावत एवं आरपीएस प्रियंका कुमावत विशिष्ट अतिथि होंगे। रेल परिवार फुलेरा के कन्हैया लाल कुमावत ने बताया कि आयोजित होने वाले कार्यक्रम में समाज के रेल कर्मचारियों को सामाजिक स्तर पर एकजुट करने, समाजोत्थान और विकास पर गहन चर्चा होगी। वहीं रेल परिवार व सामाजिक स्तर पर महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया जाएगा। जबकि समाज के विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना एवं उन्हें उच्च शिक्षा के लिए मार्ग प्रशस्त करवाने, ऐसे होनहार विद्यार्थियों जो शिक्षा के क्षेत्र में अब्बल है परंतु आर्थिक स्थिति से कमजोर है उन्हें चिन्हित कर समाज की ओर से उन्हें सहयोग देने के लिए संकल्प दिलाया जाएगा। कुमावत ने बताया कि स्नेह मिलन समारोह को सफल बनाने के लिए आयोजन कर्ताओं ने अलग- अलग टीमें बनाकर कार्यों की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। उन्होंने सामाजिक स्तर पर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर गूंजा महिला सशक्तिकरण का संदेश

सावित्रीबाई के संघर्ष और शिक्षा मिशन को युवाओं को अपनाना होगा: अहलावत

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। महिला शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर झुंझुनूं जिले के चिड़ावा कॉलेज में सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें समाज में शिक्षा, समानता और महिला सशक्तिकरण के संदेश गूंज उठे। कार्यक्रम में पूर्व सांसद संतोष अहलावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने सावित्रीबाई फुले के योगदान को याद करते हुए युवाओं को उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। अपने संबोधन में अहलावत ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने जिस दौर में महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए शिक्षा का दीप जलाया, वह आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि युवाओं को मोबाइल और समय की बर्बादी से दूर रहकर कुछ नया और सकारात्मक करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या रेखा कुलश्रेष्ठ ने की। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन संघर्ष, साहस और शिक्षा के प्रति समर्पण की अद्भुत मिसाल है। विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक पवन पूनिया और जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने भी सावित्रीबाई फुले के जीवन और उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की ओर से संचालित बाबू जगजीवन राम नेशनल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में पहले आयोजित निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने सावित्रीबाई फुले के जीवन और संघर्ष पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसने उपस्थित लोगों को भावुक और प्रेरित कर दिया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार प्रभुशरण तिवारी, शंभु पंवार, मनोज शर्मा, महेश आजाद, निर्मला शर्मा, पूनम जांगिड़, पूनम नुनिया, गुड्डी सोमरा, अभिषेक मुरारका सहित अनेक नागरिक और विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम में समाज में शिक्षा और समानता के संदेश को आगे बढ़ाने का सामूहिक संकल्प भी लिया गया।

उत्तम नगर दिल्ली में युवक की हत्या के विरोध में कैंडल मार्च निकाल दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निस)। दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन 26 वर्षीय युवक तरुण बुटोलिया की हत्या के विरोध में सांगानेर क्षेत्र के वाटिका ग्राम में युवाओं और सर्व समाज के लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार शाम करीब 6 बजे गणेश चौक वाटिका से शुरू हुआ यह कैंडल मार्च पूरे नगर में घूमते हुए पुन: गणेश चौक पर पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर मृतक को श्रद्धांजलि अर्पित की और न्याय की मांग की। कैंडल मार्च में शामिल युवाओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर 'तरुण को न्याय दो' और 'हत्यारों को फांसी दो' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि होली जैसे पावन पर्व पर दलित युवक की बेरहमी से हत्या की घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। इस दौरान उन्होंने मृतक के पिता मामराज बुटोलिया और चाचा रमेश कुमार बुटोलिया के घायल होने की घटना पर भी चिंता जताई और दोषियों के खिलाफ त्वरित व कठोर कार्रवाई की मांग की। स्थानीय युवाओं ने बताया कि उत्तम नगर में होली के दिन पानी के गुब्बारे को लेकर हुए विवाद के बाद यह घटना हिंसक रूप ले बैठी, जिसमें तरुण गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। कैंडल मार्च में शामिल लोगों ने सरकार से आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा देने की मांग की। इस दौरान संजय खटीक और विजेंद्र परेवा सहित कई लोगों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को फांसी की सजा या एनकाउंटर जैसी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

टायनी पर्ल्स स्कूल के नवीन भवन का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निस)। चौमूं शहर की शिक्षा को समर्पित टायनी पर्ल्स स्कूल आज अपने नवीन भवन में शिफ्ट हुई। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा और श्री श्री 1008 बालक दास महाराज ने फ़ीता काटकर नवीन भवन का शुभारंभ किया और स्कूल प्रशासन को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। पूर्व विधायक शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार भी दें, ताकि हमारी भारतीय संस्कृति बची रहे। वहीं परिजनों से भी बच्चों को टोकने की बात कही, ताकि गलत संगत में पड़कर अपना भविष्य खराब ना कर बैठें। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आरएस मानावत ने स्कूल के सभी बच्चों को गोद लेने की घोषणा की और सभी बीमारियों का इलाज नि:शुल्क करने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश कर तालियां बटोरी। स्कूल निदेशक नागेश

कुमार शर्मा और प्रिंसिपल भारती रावत ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण और साफ़ा पहनाकर स्वागत सम्मान किया और विश्वास जताया कि शिक्षा को लेकर कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा, बच्चों का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आनंद मिश्रा, निवर्तमान पार्षद रजनी शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि राहुल शर्मा, बृजेश मथुरिया, शिवनारायण जांगिड़, डॉ. मालीराम यादव,पंकज दल्लाका सहित स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरूवार 12 मार्च, 2026

श्रीराम कथा में राम के वनवास प्रसंग का मार्मिक वर्णन

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। गांव गुड़ावड़ी स्थित श्री श्याम मंदिर में चल रही श्रीराम कथा के पांचवें दिन कथा वाचक महंत दिनेशगिरी जी महाराज ने भगवान श्रीराम के वनवास प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम राजा दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र थे और पिता की आज्ञा का पालन करना उनका सर्वोच्च धर्म था। महाराज ने कहा कि राजा दशरथ ने श्रीराम को अयोध्या का युवराज घोषित कर राजतिलक की तैयारी कर ली थी, लेकिन माता कैकेयी के वरदान मांगने पर श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास देना पड़ा और भरत को राजगद्दी सौंपने की बात सामने आई। पिता के वचन की मर्यादा रखते हुए श्रीराम बिना किसी प्रश्न के वनवास के लिए निकल पड़े। उनके साथ माता सीता और भाई लक्ष्मण भी वन के लिए प्रस्थान कर गए। कथा के दौरान महाराज ने कहा कि आज के युवाओं को भी भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर माता-पिता का सम्मान और उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। इस दौरान सद्गुरु पुजारी, बुलेश पुजारी, कुंभाराम ढुकिया, सीताराम शर्मा, भंवरलाल स्वामी, सुरजाराम प्रजापत, रामगोपाल स्वामी व बेगाराम सहित अनेक श्रद्धालुओं ने कथा की आरती की। पूजा-अर्चना पंडित रामचंद्र खंडेलवाल ने करवाई।]

शिक्षाविद पूर्व कर्मचारी नेता रामसुखदास को किए श्रद्धा सुमन-अर्पित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। रतनगढ़ रोड़ स्थित महात्मा ज्योतिराव फुले कैंटीन में शिक्षाविद व पूर्व कर्मचारी नेता रामसुखदास स्वामी के निधन पर बुधवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष रिछपाल सिंह चारण ने बताया कि महासंघ के पुरोधा रामसुखदास स्वामी का जन्म ग्राम कॉलोडी में सन् 1942 में हुआ था। वे राजकीय सेवा में अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने 1970 से 1998 तक कर्मचारी जगत व महासंघ में सेवाएं दी। 1970, 1973, 1976, 1982 व 1998 में कर्मचारी आंदोलन के लिए अनेक बार जेल की यात्राएं की, उन्होंने शिक्षक एवं कर्मचारी हितों के लिए आजीवन संघर्ष किया। पशु चिकित्सक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष व सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक डॉ. अशोक शर्मा ने कहा कि रामसुखदास स्वामी का निधन चुरू जिले के कर्मचारियों के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका जीवन प्रेरणादायक रहा है। ओबीसी वेलफेयर सोसाइटी के महामंत्री चंद्र मोहन सैनी ने बताया कि 86 वर्ष की आयु पूर्ण कर 2 मार्च को उनका निधन हो गया था। इस अवसर पर सेवानिवृत्त व्याख्याता बेजूराम जांगिड़, सेवानिवृत्त जिला सांख्यिकी अधिकारी हरिकिशन जांगिड़, चंदनमल सैनी, ओबीसी वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक गिरधारी लाल तंवर, शिक्षक नेता हंसराज साहवा ने भी उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

गणगौर पूजन के तहत लाए लक्ष्मी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय श्री श्याम सखी मण्डल की महिला सदस्याएं ज्वारा-बोने, लक्ष्मी लाने के लिए नया बास क्लब पहुंची। मंडल अध्यक्षा कांता शर्मा ने बताया कि सखी मंडल के सदस्य गणगौर के गीत व ज्वारा गीत गाते नाचते हुए लक्ष्मी लेकर आए। गणगौर तीज तक ज्वारा पूजन होगा। कार्यक्रम में शशि लड़ा, मंजू मूंदड़ा, राजू सोनी, सुमन गौड़, राजू लाहोटी, द्रोपदी लाहोटी आदि मौजूद रहे।

पहले मिट्टी लाकर बनाती थीं ईशर-गणगौर, अब रेडिमेड की ओर रुझान

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। पहले घर में बुजुर्ग महिला मां-दादी या फिर भाभी गणगौर बनाती थी। अब रेडिमेड की दुनियां में गणगौर भी शुमार होती जा रही है। कुम्हार के घर से मिट्टी लाने की बजाय गणगौर पूजने वाली नव विवाहिता-युवतियां रेडिमेड गणगौर लाने लगी है। यह प्रचलन अब तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही त्योंहारों के पारंपरिक तौर-तरीके भी बदलते जा रहे हैं। मूर्तिकारो का कहना है कि अब ईशर-गणगौर की तैयार मूर्तियों की मांग बढ़ गई है। यह मूर्तिया कुम्हार भी कच्ची मिट्टी से ही तैयार करते है। वहीं इसका दूसरा पक्ष ये भी है कि इससे कुम्हारों की आय भी बढ़ी है। गणगौर पूजन करने वाली नव विवाहिताएं इसके बदले 200 से 500 रुपए तक भेंट स्वरूप देती है। धूंलडी के दिन से ही गणगौर पूजन शुरू हो जाता है, लेकिन शीतला अष्टमी के साथ ही गणगौर पर्व की आहट शुरू होती है। बुद्धवार को शीतला माता की पूजा के बाद से ही विवाहिताओं व युवतियों ने गणगौर का पूजन शुरू कर दिया। गुरुवार से गणगौर के सिंजारे निकालने व घड़ोलिये घुमाने की परंपरा शुरू हो जाएगी। क्षेत्र में गणगौर पूजने वाली नवविवाहिताओं ने बुद्धवार को अपनी सहेलियों के साथ गीत गाते हुए कुम्हार के घर जाकर मिट्टी लाई व गणगौर बनाई।

गणगौर पूजन करने वाली नवविवाहिताएं व महिलाओं ने मंगल गीतों के साथ कुम्हार से गणगौर बनवाई। कुंभकार के घर जाकर मिट्टी की गणगौर बनाकर उनका श्रृंगार किया। अब इनका गणगौर पर्व तक पूजन होगा।

बीमा कंपनी की लापरवाही पर उपभोक्ता आयोग सख्त, 9.48 लाख रुपये क्लेम भुगतान का आदेश

1.35 लाख रुपए मानसिक संताप पेटे परिवादी को दे बीमा कंपनी

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, झुंझुनूं ने उपभोक्ता हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए बीमा कंपनी को वाहन दुर्घटना के दावे की राशि का भुगतान करने का आदेश दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि बीमा कंपनी उपभोक्ता से प्रीमियम लेने के बाद दावे के भुगतान से बच नहीं सकती। आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील तथा सदस्य प्रमेन्द्र कुमार सैनी की पीठ ने कुलदीप भास्कर निवासी झुंझुनूं द्वारा दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। परिवादी ने बताया कि उसकी कार का बीमा 9 लाख 50 हजार रुपये बीमित मूल्य पर कराया गया था। 13 दिसंबर 2021 को वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर आग लगने से पूरी तरह जल गया, जिसके बाद बीमा कंपनी के पास क्लेम प्रस्तुत किया गया, लेकिन कंपनी ने लंबे समय तक टालमटोल करते हुए दावा निपटान नहीं किया। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग के समक्ष प्रस्तुत सर्वेयर रिपोर्ट में वाहन को टोटल लॉस मानते हुए लगभग 9 लाख 48 हजार रुपये की क्षति आंकी गई। इसके बावजूद बीमा कंपनी की ओर से भुगतान नहीं किया गया, जिसे आयोग ने सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार माना। आयोग ने अपने निर्णय में कहा कि जब बीमा कंपनी ने स्वयं वाहन का बीमित मूल्य निर्धारित कर उसी आधार पर प्रीमियम प्राप्त किया है, तो बाद में भुगतान से बचना उचित नहीं है। आयोग ने यह भी टिप्पणी की कि बीमा कंपनियों को उपभोक्ताओं के साथ निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवहार करना चाहिए। आयोग ने बीमा कंपनी को आदेश दिया कि वह 9 लाख 48 हजार रुपये की क्लेम राशि, परिवाद दायर करने की तिथि 6 जनवरी 2023 से भुगतान तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित 45 दिनों के भीतर अदा करे। साथ ही परिवादी को मानसिक पीड़ा के लिए 1 लाख 35 हजार रुपये तथा 5 हजार रुपये परिवाद व्यय के रूप में भी देने के निर्देश दिए गए है। आयोग ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में भुगतान नहीं होने पर पूरी राशि पर 12.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज लागू होगा। यह निर्णय उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का? हवाला देते हुए कहा है कि एक बीमा कम्पनी से यह उम्मीद की जाती है कि वह बीमा धारक के साथ वास्तविक और निष्पक्ष व्यवहार करेगा, न कि केवल अपने मुनाफे की परवाह करेगा। सद्भावना का दायित्व बीमा धारक उपभोक्ता से ज्यादा बीमा कर्ता बीमा कंपनी का बनता है। इस मामले में कंपनी ने बीमा प्रीमियम भरवाते वक्त गाड़ी की कीमत 9.50 लाख रुपए आंकी, जबकि दुर्घटना में गाड़ी जलने के बाद में बीमा कंपनी की ओर से नियुक्त सर्वेयर ने गाड़ी की कीमत 6.50 लाख रुपए ही मानी। उपभोक्ता आयोग ने इस अनुचित व्यापार व्यवहार माना है। आयोग ने अपने फैसले में लिखा है कि न्याय हित में यह टिप्पणी करना उचित एवं आवश्यक है कि प्रायः बीमा कम्पनियां बीमा पॉलिसी जारी करते समय नियमानुसार बीमा प्रीमियम राशि उपभोक्ता से प्राप्त करती हैं और जब क्षतिपूर्ति करने का समय आता है, उस वक्त बीमा पॉलिसी की शर्तों, नियमों की आड़ में वाहन दुर्घटना दावा क्षतिपूर्ति राशि को चुकाने में सामान्यतः उन आधारों को लेकर आती हैं, जिन आधारों को सद्भावी रुप से सम्पूर्ण करने का दायित्व बीमाकर्ता बीमा कम्पनियों का बनता है। क्योंकि बीमा पॉलिसी जारी करने का स्वतन्त्र रूप से अधिकार बीमा कम्पनियों का है। कोई भी उपभोक्ता अपनी स्वेच्छा से मनमर्जीपूर्वक बीमा पॉलिसी जारी नहीं करवा सकता है। इसलिए सद्भावना का दायित्व उपभोक्ता से ज्यादा बीमाकर्ता बीमा कम्पनियों पर लागू होता है।

सरदारशहर में धूल भरी आंधी, रबी की तैयार फसलों पर संकट

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ है। तेज धूल भरी हवाओं के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। आसमान में दिनभर धूल की चादर छाई रहने से सड़कों पर दृश्यता कम हो गई है। जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन धूल भरी हवाओं का असर खेतों में खड़ी रबी की फसलों पर भी पड़ रहा है। वर्तमान में गेहूं, ईसबगोल, मेथी और सरसों जैसी रबी की फसलें कटाई और पकाई के अंतिम चरण में हैं। तेज आंधी से फसलों के दाने झड़ने और उनके आड़े गिरने का खतरा मंडरा रहा है। विशेषकर ईसबगोल और सरसों में किसानों को भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है। तेज हवाओं के कारण इन फसलों की फलियां टूटकर जमीन पर गिर रही हैं। जिससे उपज की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो सकती हैं। बिगड़ते मौसम को देखते हुए कृषि विभाग ने अलर्ट जारी किया है। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ कैलाश चौधरी ने किसानों को सलाह दी है कि वर्तमान में अधिकांश रबी फसलें पकाव की स्थिति में हैं। मौसम का मिजाज अनिश्चित है। ऐसे में किसान भाई लापरवाही न बरतें। जो फसलें पक चुकी हैं। उनकी तुरंत कटाई कर सुरक्षित स्थानों या मंडियों तक पहुँचाएं। जरा सी देरी पूरी साल की मेहनत पर पानी फेर सकती है। तेज आंधी से उड़ती धूल के कारण सड़कों पर आवाजाही प्रभावित हुई है। इसके अलावा, गेहूं और ईसबगोल की गुणवत्ता खराब होने का खतरा भी बना हुआ है। गर्म हवाओं और धूल के मिश्रण से जनजीवन बेहाल है।

कार डिवाईडर पर चढ़ी, पांच घायल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। गत रात्रि को सालासर रोड पर चुंगी नाका के पास डिवाइडर से टकराकर गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गयी। हादसे के कारण कार पूनम, मनीषा, राहुल निवासी कोलासर तथा दिनेश, मुकेश कँवर निवासी डोली, बाड़मेर घायल हो गए। घायलों को 108 कर्मचारियों व टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार, बीरबल प्रजापत आदि की सहायता से बगड़िया अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया। जानकारी के मुताबिक उक्त सभी लोग कार मे सवार होकर कोलासर से सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन आ रहे थे कि कार अंधेरे में डिवाइडर से टकरा गई।

बाल विवाह प्रतिषेध की दी जानकारी

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चूरू के निर्देशानुसार पीएलवी अशोक तिवाड़ी की ओर से बाल विवाह व बालिका शिक्षा के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। तिवाड़ी ने लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। लाडनू बस स्टैंड पर बाल विवाह रोकथाम अभियान एवं न्याय आपके द्वार अभियान के बारे में भी लोगों को बताया गया।

जिला क्रीड़ा परिषद - चूरू

बोली आमंत्रण सूचना

एथलेटिक्स खेल में आवासीय प्रशिक्षण शिविर एवं अजमेर पुष्कर भ्रमण के दौरान भोजन व आवास व्यवस्था के लिए इच्छुक बोलीदाताओं से 12.03.2026 को दोपहर 02:00 पी. एम. बजे तक बोलिया आमंत्रित की जाती है। बोली से संबंधित अन्य विवरण राजस्थान के खरीद पोर्टल (https//sppp.rajasthan.gov.in) पर देखे जा सकते है ।

खुली बोली संख्या 04 / 2026 UBN- CCH2526SSOB00040

Rs. 6.25 lakh

जिला खेल अधिकारी / सचिव

जिला क्रीड़ा परिषद - चूरू

DIPR/C/5183/2026

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT BIHARIPUR P.S. PATAN (SIKAR)

S.NO. 93 DATE: 11.03.2026

Notice Inviting Bid

Bid for Rate contract works undar Other Scheme are invited from intersted bidders upto Date 18.03.2026, 11:00 AM. Other particulers of the bid may be visited on the procure-ment portal (http://sppp.raj.nic.in&http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of work is maximum RS : 600000/-

UBN No.PKP2526WSOB00393-395

PRASHASHAK
G.P. BIHARIPUR

VDO
G.P. BIHARIPUR

महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में 14 से आवेदन शुरू

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। लक्ष्मणगढ़ शहर के वार्ड संख्या 10 में स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विद्यालय में प्रवेश के लिए 14 मार्च से 23 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमिल कुमार ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया को लेकर विज्ञप्ति जारी कर दी गई है और अभिभावकों से निर्धारित तिथियों के भीतर ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की गई है। आवेदन प्रक्रिया में अभिभावकों को किसी प्रकार की तकनीकी परेशानी न हो, इसके लिए विद्यालय परिसर में हेल्प डेस्क भी गठित की गई है, जहां विद्यालय समय के दौरान अभिभावक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम लगातार उत्कृष्ट रहा है और विभिन्न सहशैक्षिक गतिविधियों में भी विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसके चलते अभिभावकों में इस विद्यालय में प्रवेश को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। तहसील के गांव गौरीसर के रहने वाले 55 वर्षीय किसान की वाहन के चालक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उसकी मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम की बताई गई है। मृतक के बड़े भाई बालाराम पुत्र भींवाराम जाट निवासी गौरीसर ने रिपोर्ट दी कि उसका छोटा भाई 55 वर्षीय जोधाराम मंगलवार की शाम अपने खेत में बनी ढाणी से चूरू सड़क पर आया था। इसी दौरान अज्ञात वाहन के चालक ने उसके टक्कर मार दी, जिससे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बालाराम की रिपोर्ट पर वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बुधवार को लाश का पोस्टमार्टम करवाकर शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

सरदारशहर में आवारा कुत्तों का गोवंश पर हमला

दो बछड़ों के बाद अब गाय को किया लहूलुहान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। हाल ही में महिला मंडल के पीछे आवारा कुत्तों के झुंड ने एक बेसहारा गोवंश पर हमला कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया। कुत्तों ने गोवंश के दोनों कानों को नोच डाला। जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब बीस दिन पहले भी इसी इलाके में दो बछड़ों को कुत्तों ने निशाना बनाया था। शहर की गलियों और मुख्य सड़कों पर आवारा कुत्तों के झुंड देखे जा सकते हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय गोभक्त मौके पर पहुंचे। उन्होंने लहूलुहान गोवंश को कुत्तों के चंगुल से छुड़ाया और तत्काल निजी एम्बुलेंस की व्यवस्था कर उसे पशु चिकित्सालय पहुंचाया। वहां चिकित्सकों की टीम गोवंश का उपचार कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि समय पर सहायता नहीं मिलती तो कुत्ते गोवंश को मार डालते। कुत्तों के इस हिंसक व्यवहार ने शहरवासियों में भय बढ़ा दिया है। इस घटना ने पिछले दिनों हुए जाकिर दमामी मामले की यादें ताजा कर दी हैं। जाकिर का शव भी इसी इलाके में मिला था और प्रशासन ने प्राथमिक जांच में कुत्तों की ओर से नोचे जाने की आशंका जताई थी। हालांकि वह मामला अभी जांच के अधीन है। सरदारशहर में हर दूसरे दिन कुत्तों के हमले की खबरें सामने आ रही हैं। बच्चे और बुजुर्ग अकेले घर से निकलने में हिचकिचा रहे हैं। कुत्ते न केवल मवेशियों को निशाना बना रहे हैं बल्कि राहगीरों को भी काटकर घायल कर रहे हैं। सरदारशहर उपजिला अस्पताल के डॉ चंद्रभान जांगिड़ ने बताया कि सरदारशहर इलाके में हर दिन 10 से अधिक लोग आवारा कुत्तों के काटने का इलाज कराने अस्पताल आते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक :- न.पा.ता/2025-26 / 8224 दिनांक :- 11/3/2026

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका क्षेत्र तारानगर के निम्नांकित भूखण्ड धारियो ने स्टेट ग्रान्ट, 69ए नियमन, कृषि भूमि, पट्टा नामान्तरण हेतु पत्रावलियां जमा करवायी गयी है अतः जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस मे सप्रमाण आपति इस कार्यालय मे प्रस्तुत करे 7 बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा ।

क्र.स.	आवेदक का नाम व पिता का नाम	वार्ड नं.	ऑनलाईन आवेदन	आवेदन सं.	कुल तादादी (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1.	श्रवण कुमार सैनी पुत्र हनुमान प्रसाद सैनी	08	350009	101	250.81	स्टेट ग्रान्ट एक्ट
2.	दलीप शर्मा पुत्र जेठा राम	29	350077	102	207	स्टेट ग्रान्ट एक्ट
3.	पवन कुमार पुत्र जेठाराम	29	350081	103	213.34	स्टेट ग्रान्ट एक्ट
4.	भगवती प्रसाद पुत्र पन्नालाल	05	348365	104	232.23	स्टेट ग्रान्ट एक्ट
5.	हीरा देवी पत्नी पन्नालाल	15	350625	105	131.68	स्टेट ग्रान्ट एक्ट
6.	कन्हैया लाल पुत्र सीता राम	15	350618	106	131	स्टेट ग्रान्ट एक्ट
7.	कमल किशोर पुत्र राज कुमार	16	348373	174	167.20	कृषि भूमि नियमन
8.	सुनील कुमार पुत्र चिरंजी लाल	20	331664	175	334.90	कृषि भूमि नियमन
9.	दिनेश कुमार पुत्र महेन्द्र सिंह	24	350635	176	151.88	कृषि भूमि नियमन
10.	मानिक लाल जैन पुत्र पन्ना लाल जैन	30	175644	46	286.31	पट्टा नामांतरण
11.	संजय स्वामी पुत्र हनुमाना राम स्वामी	23	176135	45	207.58	पट्टा नामांतरण
12.	लक्ष्मी देवी पत्नी अजय कुमार	07	350439	115	75.59	69ए नियमन

अधिशाषी अधिकारी
नगपालिका मण्डल तारानगर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15 व 16 मार्च को जालोर जिले के दौरे पर

सिरे मंदिर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम व धर्म सभा में लेंगे भाग

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15 व 16 मार्च को जालोर जिले के दौरे पर रहेंगे। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15 मार्च, रविवार को दोपहर 1.55 बजे हेलीपैड रिजर्व पुलिस लाइन चित्तौड़गढ़ से हेलीकॉप्टर से रवाना होकर दोपहर 2.45 बजे सिरे मंदिर रोड़ जालोर स्थित आदर्श विद्या मंदिर स्कूल ग्राउण्ड में पहुँचेंगे। दोपहर 3 बजे विद्यालय से प्रस्थान कर पैदल मार्ग से सायं 4 बजे सिरे मंदिर पहुँच स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा रात्रि विश्राम भी करेंगे। इसी प्रकार 16 मार्च, सोमवार को प्रातः 9.30 बजे से प्रातः 9.45 बजे तक श्री रत्नेश्वर महादेव मन्दिर में पूजन-अर्चन कर प्रातः 10 बजे से प्रातः 11 बजे तक धर्म सभा में भाग लेंगे। प्रातः 11 बजे सिरे मंदिर से प्रस्थान कर प्रातः 11.50 बजे हेलीपैड स्थल पर पहुँचेंगे, जहाँ से प्रातः 11.55 बजे हेलीकॉप्टर से जोधपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यात्रा कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत हेलीपैड स्थल, सभा व मंदिर स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंप आवश्यक निर्देश दिए हैं।

लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

धौलपुर/राजाखेडा। विधिक सेवा समिति राजाखेड़ा के अध्यक्ष व सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट राजाखेड़ा आकाश शर्मा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर न्यायालय परिसर में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में न्यायालय में राजस्व मामलों के लंबित विभिन्न प्रकार के प्रकरणों का आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में चिह्नित कर अधिकाधिक निस्तारण करने पर चर्चा की गई। बैंक एवं बिजली विभाग के विभिन्न प्रि.लिटिगेशन प्रकरणों को भी चिह्नित कर अधिक से अधिक निस्तारण को लेकर चर्चा की। बैठक में सुशीला मीणा उपखंड अधिकारी, दीप्ति देव तहसीलदार, बिजली विभाग के कनिष्ठ अभियंता मयंक मिश्रा, विशाल जयसवाल समेत विभिन्न बैंकों के अधिकारियो ने बैठक में हिस्सा लिया

नर्मदा मुख्य नहर में जलप्रवाह 2 अप्रेल से 21 दिनों के लिए रहेगा बाधित

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। नर्मदा मुख्य नहर के गुजरात और राजस्थान भाग में आवश्यक मरम्मत, रखरखाव व सिल्ट सफाई कार्यों के निष्पादन के लिए लिए गए निर्णयानुसार आगामी 2 अप्रेल से 21 दिनों की अवधि के लिए जल प्रवाह बंद रहेगा। नर्मदा नहर परियोजना (वृत्त-प्रथम, सांचैर) के अधीक्षण अभियंता बाबूलाल गहलोत ने बताया कि नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण की उप-समिति की ओर से लिए गए निर्णय और सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड, गांधीनगर के साथ हुई आपसी सहमति के अनुसार, नर्मदा मुख्य नहर में जल प्रवाह 2 अप्रैल 2026 से 21 दिनों की अवधि के लिए बंद रहेगा। इस नहरबंदी के दौरान नर्मदा नहर परियोजना विभाग की ओर से नहर की सिल्ट सफाई और अन्य आवश्यक मरम्मत कार्य करवाए जाने प्रस्तावित है। यह कार्य नहर की कार्यक्षमता और भविष्य में निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्क है। उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सभी संबंधित अधिकारियों को सूचित किया हैं कि वे नहरबंदी शुरू होने से पूर्व अपने स्टोरेज आगामी 20 दिनों में पूर्ण क्षमता से भर लेवें ताकि क्षेत्र के निवासियों को पेयजल समस्या का सामना न करना पड़े।

पीएनबी एटीएम पर ठगी: कार्ड बदलकर खाते से 80 हजार रुपए निकाले

जयपुर टाइम्स

राजाखेड़ा (धौलपुर)। पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम पर एक युवक से धोखाधड़ी कर बदमाशों ने उसका एटीएम कार्ड बदल लिया और खाते से 80 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने मामले की लिखित शिकायत राजाखेड़ा थाने में दी है, जिस पर पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार राजाखेड़ा क्षेत्र के बाजना गांव निवासी अंशु पुत्र रामविलास खटीक अपने पिता रामविलास का एटीएम कार्ड लेकर पीएनबी बैंक के एटीएम पर पैसे निकालने आया था। उसने एटीएम से 5 हजार रुपए निकाले ही थे कि तभी पीछे खड़े दो युवक उससे जल्दी करने को कहने लगे। इसी दौरान उन्होंने चालाकी से उसका एटीएम कार्ड बदल दिया। पीड़ित के अनुसार इसके बाद बदमाशों ने उसके पिता के खाते से 10-10 हजार रुपए के आठ ट्रांजैक्शन कर कुल 80 हजार रुपए निकाल लिए। यह राशि दोपहर करीब 1:04 बजे से 1:11 बजे के बीच निकाली गई। पीड़ित ने बताया कि बैंक से स्टेटमेंट निकलवाने पर ट्रांजैक्शन की लोकेशन केवल 'मेन मार्केट' दर्शा रही है। घटना के बाद उसने राजाखेड़ा थाने में शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अग्निवीर भर्ती 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, 1 अप्रैल तक आवेदन

धौलपुर(निस)। भारतीय सेना की ओर से अग्निवीर भर्ती 2026 के लिए रैली नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। सेना भर्ती कार्यालय के अनुसार अभ्यर्थी 1 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती से संबंधित जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि अभ्यर्थी जॉइन इंडियन आर्मी (जेआईए) की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। वेबसाइट पर भर्ती से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी जैसे पात्रता मानदंड, शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, चयन प्रक्रिया तथा रैली तिथियों का विस्तृत विवरण उपलब्ध है। भारतीय सेना में शामिल होकर देश सेवा का सपना देखने वाले युवाओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित अंतिम तिथि 1 अप्रैल से पूर्व अपना आवेदन अवश्य पूर्ण कर लें और आवेदन करते समय वेबसाइट पर दिए गए दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करें

जिला कलेक्टर की उपस्थिति में मचकुण्ड महोत्सव में लोक संस्कृति की बिखरी रंगारंग छटा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। पंच गौरव धौलपुर कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित मचकुण्ड महोत्सव के तहत मंगलवार सायं मचकुण्ड परिसर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र की समृद्ध लोक परंपराओं, लोकनृत्यों और लोक संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के आगमन एवं स्वागत के साथ हुई। सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत मोती खान, बाड़मेर की ओर से प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद गफरुद्दीन मेवाती, अलवर ने भपंग वादन की शानदार प्रस्तुति देकर लोक संगीत की अनूठी परंपरा को जीवंत किया। रोशन मस्ताना, धौलपुर ने लोकगीतों की प्रस्तुति देकर वातावरण को सुरमय बना दिया। कार्यक्रम में कच्छी घोड़ी नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। वहीं राजस्थान की विविध लोकनृत्य शैलियों की आकर्षक प्रस्तुतियां भी दी गईं। गौतम परमार, बाड़मेर की ओर से भवाई नृत्य तथा तलवार व तितली नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मेंहद्री पालावत, अलवर ने घूमर नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं भुटा खान, बाड़मेर ने लंगा गायन से लोक संगीत की परंपरा को जीवंत किया। हरियाणा की लोक संस्कृति की झलक सुनीता गुर्जर, हरियाणा की ओर से प्रस्तुत हरियाणवी नृत्य में देखने को मिली। कार्यक्रम में मयूर नृत्य,चरी नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों की ओर से कलाकारों का सम्मान किया गया और उपस्थित श्रद्धालुओं व दर्शकों को मोमेंटो व प्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरन स्थाई लोक अदालत न्यायाधीश सुरेश भट्ट, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरि राम मीणा, कोषाधिकारी सतीश बैसला, उपखंड अधिकारी कर्मवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

छगनलाल सुथार ने दो गौशालाओं में गोवंश को खिलाया हरा चारा

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। क्षेत्र में गौसेवा की भावना को मजबूत करते हुए एक प्रेरणादायी पहल सामने आई। सुमेरपुर निवासी छगनलाल सुथार (बिजोवा) ने अपने पिता नारायणलाल सुथार की पुण्य स्मृति में दो गौशालाओं में गोवंश को हरा चारा खिलाकर सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। श्री राम गौशाला कोलीवाड़ा में गौशाला अध्यक्ष धीरज सांखला के निर्देशन तथा सचिव भंवरलाल परमार और शिवलाल परिहार की प्रेरणा से आयोजित कार्यक्रम में छगनलाल सुथार ने श्रीराम गौशाला कोलीवाड़ा तथा कामधेनु गौशाला में एक-एक ट्रॉली हरा चारा भेंट किया। कार्यक्रम की शुरूआत गौ माता की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई, जिसके बाद श्रद्धाभाव से गौ माता को भोग लगाकर गौशालाओं में मौजूद गोवंश को हरा चारा खिलाया गया। गौशाला पदाधिकारियों ने बताया कि नारायणलाल सुथार की स्मृति में किया गया यह सेवा कार्य सच्चे अर्थों में श्रद्धांजलि है। गौसेवा भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है और इस प्रकार के कार्य समाज में सेवा, करुणा और धर्म की भावना को और अधिक मजबूत बनाते हैं। गौशाला से जुड़े लोगों ने कहा कि यदि समाज के भामाशाह और जागरूक नागरिक इसी तरह आगे आकर गौसेवा में योगदान दें तो गौशालाओं में गोवंश के लिए चारे और व्यवस्थाओं की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है। छगनलाल सुथार द्वारा अपने पिता की स्मृति में किया गया यह कार्य अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा बन गया है। इस अवसर पर गौशाला व्यवस्थापक पुखराज कुमावत, मोहनदास वैष्णव सहित अन्य गौशाला कर्मचारी उपस्थित रहे। गौशाला प्रबंधन ने छगनलाल सुथार व उनके परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और गौसेवा की भावना को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जिले में हो रहा है एचपीवी

टीकाकरण, जिले के 22 चिकित्सा संस्थानों पर उपलब्ध

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ धर्मसिंह मीणा ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि गत 28 फरवरी से प्रारंभ किए गए इस टीकाकरण अभियान के अंतर्गत अब जिले के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों पर वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है, ताकि पात्र किशोरियों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ही टीकाकरण की सुविधा मिल सके। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शिव कुमार शर्मा ने बताया कि जिले के सभी ब्लॉकों में कुल 22 चिकित्सा संस्थानों पर एचपीवी वैक्सीन उपलब्ध हैं। इनमें बाड़ी ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कंचनपुर तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अब्दुलपुर बसेड़ी ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बसेड़ी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नादनपुर, धौलपुर ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनिया, मरैना, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरेह, पंचगांव, विपरपुर, विरोंधा तथा शामिल हैं। इसी प्रकार राजाखेड़ा ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हथवारी और जसूपुरा सैपऊ ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बसई नवाब व सैपऊ तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बदरिका, चित्तोरा, दोनारी और जरोली में भी टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध हैं। इसके अलावा सरमथुरा ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरमथुरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंगई और बड़ा गांव और शहरी क्षेत्र के यूपीएचसी सागरपाड़ा पर भी एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी 14-15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर एचपीवी टीकाकरण अवश्य करवाएं, ताकि उन्हें भविष्य में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाया जा सके।

घरेलू गैस सिलेंडरों की सुचारु आपूर्ति को लेकर बैठक आज

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की सुचारु व निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 12 मार्च को सायं 4 बजे जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने तथा आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने से संबंधित विषयों पर इस चर्चा की जाएगी। जिले के सभी गैस एजेंसी डीलरों, ऑयल कंपनियों के विक्रय अधिकारियों, मैरिज होम संचालक तथा बड़े होटल संचालक इस बैठक में शामिल होंगे।

हीटवेव से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग सतर्क, आवश्यक तैयारियों के निर्देश

धौलपुर(निस)। जिले में बढ़ती गर्मी और संभावित लू हीटवेव की स्थिति को देखते हुए राज्य स्तर से सभी चिकित्सा संस्थानों को सतर्क रहने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा ने बताया कि राजस्थान को देश के हीटवेव से अत्यधिक प्रभावित संवेदनशील राज्यों में चिन्हित किया गया है, ऐसे में लू से होने वाली बीमारियों और मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रभावी तैयारियां जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि हीटवेव एक्शन प्लान के तहत सभी चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक दवाइयों जैसे ओआरएस,आई वी फ्लूइ्स सहित अन्य संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही लू से संबंधित रोगों के उपचार के लिए चिकित्सा स्टाफ को आवश्यक प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश प्रदान करने को कहा गया है। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. चेतराम मीणा ने बताया कि हीटवेव से संबंधित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी तथा आईडीएसपी हीटवेव पोर्टल पर समयबद्ध और दैनिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित करनी होगी। इसके अलावा जिला प्रशासन और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए गए हैं। सभी संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान हीटवेव प्रबंधन से जुड़ी सभी गतिविधियां प्रभावी रूप से संचालित की जाएं, ताकि आमजन को गर्मी से होने वाले दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने में लोक अभियोजक निभाएं महत्वपूर्ण भूमिका

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। अभिभाषक संघ धौलपुर के सदस्य भगवान सिंह नारोलिया व राम कुमार पाराशर को राजस्थान सरकार के विधि एवं विधिक कार्य विभाग द्वारा लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है। धौलपुर अभिभाषक संघ की ओर से दोनों ही लोक अभियोजकों का माला व साफा पहनकर सम्मान किया गया। धौलपुर अभिभाषक संघ के अध्यक्ष हरिओम शर्मा ने कहा कि लोक अभियोजक पीड़ित पक्षकारों को शीघ्र न्याय दिलाने में अपनी भूमिका अदा करें। उन्होंने कहा कि पूर्व लोक अभियोजक भगवान सिंह नारोलिया काफी अनुभवी है सरकार की ओर से उन्हें पुनः अवसर दिया गया है। धौलपुर अभिभाषक संघ किसके लिए आभार व्यक्त करता है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता रामनिवास परमार नत्थी लाल शर्मा विश्वनाथ बुद्ध राजा, रमाशंकर शर्मा, वीरेंद्र उपाध्याय, अमित उपाध्याय, अभिभाषक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश त्यागी, उपाध्यक्ष हेमंत पचौरी संयुक्त सचिव ब्रजेश सिंह बघेला कोषाध्यक्ष विनय शर्मा पुस्तकालय सचिव प्रशांत बघेल ऑडिटर विवेक व्यास मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी अतिथियों का महासचिव अरविंद कुमार गुर्जर ने आभार व्यक्त किया।

मातारहना वाली माता मंदिर पर नीलामी का ठेका तय

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिले के विख्यात मंदिर मां रहना देवी माता का मंदिर पर एक नीलामी का आयोजन किया गया। राजाखेड़ा उपखंड क्षेत्र में 8 दिन बाद शुरू हो रहे रहना वाली माता मंदिर के मेले पर चढ़ोतरी से प्राप्त सामान का नीलामी का ठेका किया गया है। यह ठेका ट्रस्ट की कमेटी ने किया है जिसमें माता रहना वाली के ट्रस्ट के अध्यक्ष उपखंड अधिकारी राजाखेड़ा सुशीला मीणा की अध्यक्षता में किया गया। तहसीलदार दीप्ति देवी, नायब तहसीलदार मरैना, कोषाधिकारी राजाखेड़ा राज कपूर सौनी, सत्येंद्र बाबू तहसील मरैना व कमेटी के सदस्य मौजूद रहे। जिसमें नीलामी के मुताबिक पीतल 571 रुपए प्रति किलो स्टील 151 रुपए प्रति किलो वाहन पार्किंग का ठेका 65000, बास की नीलामी 251000 में इसके अतिरिक्त सफाई खाना बनाने का नारियल चुन्नी इत्यादि का ठेका किया गया है। इस जगह में माता के मंदिर पर सोना और चांदी के आभूषण नगद राशि शामिल नहीं है।

सरकारी स्कूलों के छात्र छात्राओं को दो महीनों से नहीं मिल रहा दोपहर का भोजन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राजस्थान पंचायती राज व माध्यमिक शिक्षक संघ ने जिले में मिड डे मील योजना की बिगड़े हालत सुधारने स्कूलों में जल्द खाद्यान्न आपूर्ति कराते हुए स्कूलों में दो माह से बंद पोषाहार वितरण चालू कराने, दूध तथा मिड डे मील योजना का महीनों से लंबित बजट जारी कराने की मांग की है। संघ के जिला अध्यक्ष हरी सिंह गुर्जर ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को भेजे ज्ञापन में लिखा है कि जिले में जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते शैक्षिक सत्र की शुरुआत से ही दूध व मिड डे मील योजना उधारी की भेंट चढ़ी हुई है। हालात इतने खराब है कि धौलपुर ब्लॉक के अनेक स्कूलों में खाद्यान्न आपूर्ति नहीं किए जाने से बच्चों को करीब दो तीन महीनों से दुपहर का भोजन नहीं मिल पा रहा है। तमाम संस्था प्रधान व पोषाहार प्रभारी की ओर से संबंधित अधिकारियों को बार-बार सूचना के बावजूद स्कूलों में कई महीनो से गेहूं चावल की आपूर्ति नहीं की जा रही है, जिसकी वजह से सरकार की महत्वपूर्ण योजना ठप्प पड़ी हुई है और जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। संघ के पूर्व प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा ने बताया कि धौलपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत बसई सामंता, सरानी खेड़ा, लुहारी, भेसेना, बसैया लालू, मांगरोल, बीलपुर,विपरपुर आदि के स्कूलों में पोषाहार सप्लायर्स की ओर से कई महीनों से खाद्यान्न आपूर्ति नहीं होने से कहीं बीते साल दिसम्बर से तो किन्हीं पंचायतो के स्कूलों में जनवरी से पोषाहार बंद पड़ा हुआ है ।बच्चे बिना खाना खाये स्कूलों से लौट रहे हैं। जिलाध्यक्ष हरी सिंह गुर्जर ने सीडीईओ को ज्ञापन में बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक कार्यालय की उदासीनता के चलते जिले के सभी विद्यालयों को अन्नपूर्णा दूध योजना का पैसा पिछले साल 1 जुलाई से व मिड डे मील योजना का बजट 1 नवंबर 2025 से जारी नहीं किया गया है। जिससे स्कूलों पर हजारों रुपए की उधारी हो चुकी है और उन्हें सरकार की दोनों योजनाओं को संचालित करने में मुश्किल आ रही हैं। कुक कम हेल्पर्स महीनों से मानदेय को तरस रहीं हैं। संघ ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी से जिले में मिड डे मील योजना के प्रभावी व सुचारु संचालन के लिए धौलपुर ब्लॉक सहित जिन स्कूलों में खाद्यान्न के अभाव में छात्रों को खाना नहीं मिल रहा है संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को पाबंद कर तत्काल खाद्यान्न आपूर्ति के साथ जिले के सभी स्कूलों को दूध योजना का बीते 8 महीनों का तथा मिड डे मील योजना का पिछले 4 माह की लंबित राशियों का बजट जारी कराने के लिए आदेशित करने की मांग की है।

तीर्थराज मचकुंड पर 66 गरीब व अनाथ कन्याओं का सामूहिक विवाह

समाजसेवी अनिल अग्रवाल ने उठाया पूरा खर्च

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। तीर्थराज मचकुंड में समाजसेवी अनिल अग्रवाल की ओर से 66 असहाय, गरीब और अनाथ कन्याओं का भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान वर-वधु ने एक-दूसरे का दामन थामकर वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। पूरे विवाह समारोह का खर्च समाजसेवी अनिल अग्रवाल और उनके परिवार की ओर से वहन किया गया। बताया गया कि अनिल अग्रवाल पिछले सात सामूहिक विवाह सम्मेलनों के माध्यम से 511 गरीब कन्याओं का विवाह करा चुके हैं। हर वर्ष आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम इस बार आठवें सामूहिक विवाह सम्मेलन के रूप में संपन्न हुआ। हिंदू-मुस्लिम-सिख भाईचारे की मिसाल बना मचकुंड सामूहिक विवाह समारोह में 66 कन्याओं में 47 हिंदू, 9 मुस्लिम और 10 सिख समाज की थीं। सभी धर्मों की परंपराओं के अनुसार अलग-अलग पंडालों में विवाह की रस्में संपन्न कराई गईं। हिंदू जोड़ों ने अग्नि के समक्ष सात फेरे लेकर विवाह संस्कार पूरा किया, मुस्लिम जोड़ों का निकाह कबूलनामा के साथ कराया गया, जबकि सिख जोड़ों ने गुरबाणी के साथ फेरे लेकर एक-दूसरे का हाथ थामा। इस आयोजन ने सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की अनूठी मिसाल पेश की।

नवदंपतियों को दिया गृहस्थी का पूरा सामान

महंत कृष्णदास ने बताया कि सामूहिक विवाह में सभी नवदंपतियों को समाजसेवी अनिल अग्रवाल की ओर से पर्याप्त दान-दहेज दिया गया। इसमें कपड़े, गृहस्थी का आवश्यक सामान और आभूषण शामिल हैं। आभूषणों में सोने का मंगलसूत्र, सोने की नथ, सोने के कान के टॉप्स, चांदी की बिछिया सहित अन्य सामग्री दी गई। प्रत्येक जोड़े को करीब साढ़े तीन लाख रुपये तक का घरेलू सामान प्रदान किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे और नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया।

तरूण हत्याकांड के आरोपियों के एनकाउंटर की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सुजानगढ़ में सर्व समाज के लोगों ने रैली निकालकर उपखंड कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली के उत्तम नगर में हुए तरुण खटीक हत्याकांड के आरोपियों का एनकाउंटर किए जाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम उपखंड अधिकारी ओम प्रकाश वर्मा को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले लोगों ने हाथों में भगवा ध्वज लिए हुए नारेबाजी करते हुए खटीक बस्ती से रैली के रूप में उपखंड कार्यालय पहुंचे और वहां पर हनुमान चालीसा का पाठ किया। भाजपा युवा मोर्चा संयोजक हिमांशु भाटी, निवर्तमान पार्षद रेंवतमल पंवार आदि विचार प्रकट करते हुए आरोपियों का एनकाउंटर करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान सम्पत दायमा, गोवर्धनलाल, महेश दायमा, भगवानाराम, राहुल सामरिया, मुकेश दायमा, सीताराम, गंगाधर लाखन, हिमांशु भाटी, प्रीतम सांखला, कालूराम बाबरिया, सुमीत शर्मा, बबलू सामरिया, राजेश सामरिया, महेश दायमा, कन्हैया दायमा, मदन सांखला, मनीष दायमा, रोहित सामरिया आदि लोग मौजूद रहे।

गिरधर शर्मा को मिला पं. सुंदरलाल चंद्रकला गंगानी सम्मान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ(नि.सं.)। कत्थक दर्शन चेरिटेबल ट्रस्ट बड़ोदरा की ओर से बुधवार की शाम राजकीय पीसीबी स्कूल में पंडित सुंदरलाल चंद्रकला गंगानी सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें दी यंग्स क्लब आफ सुजानगढ़ के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा को सामाजिक और सांस्कृतिक सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। गांव बड़ाबर के मूल निवासी और देश के अग्रणी कत्थक नृत्याचार्य पंडित सुंदरलाल गंगानी और उनकी धर्मपत्नी चंद्रकला गंगानी की स्मृति में आयोजित इस सम्मान समारोह में गिरधर शर्मा को अभिनंदन पत्र, शॉल और प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात कथक गुरु प्रोफेसर डॉ.जगदीश गंगानी, वडोदरा ने की। वहीं मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में फतेहसिंह गंगानी, यंग्स क्लब के सचिव महावीर मिरनका, तनसुखराय रामपुरिया, प्राचार्य रणवीर सिंह महरिया मंच पर मौजूद रहे। समारोह का संयोजन व संचालन साहित्यकार व मरूदेश संस्थान के अध्यक्ष डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने करते हुए आयोजकीय पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। कार्यक्रम में मूलचंद तिवाड़ी, देवकृष्ण मालपानी, पूनमचंद सारस्वत, धन्नाराम प्रजापत, बलदेव ढाका, जवाहर कटारिया, श्याम स्वर्णकार, महेश कुमार तंवर, विष्णुदत्त शर्मा, कौशल्या गुलेरिया, जयश्री दाधीच, वीणा भोजक, डॉ. जयश्री सेठिया, डॉ. शर्मिला सोनी, डॉ. कमला शर्मा, अनिता सुरेका, कुसुम शर्मा, कमला चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ईमानदारी का परिचय देने वाले किलानिया का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। ईमानदारी का परिचय देने पर शहर के रहने वाले अरबाज किलानिया का बुधवार को डीवाईएसपी कार्यालय में अभिनंदन किया गया। शहर के रहने वाले अनिल लाटा ने अपने कपड़ों को प्रेस करवाने के लिए अशोक स्तंभ के पास लॉण्डरी की दुकान संचालित करने वाले अरबाज किलानिया ने दिए थे। इस दौरान लाटा के करीब तीन हजार रुपए जेब में रह गए थे, जिन्हें जब अरबाज ने संभाला, तो उसने लाटा से संपर्क कर उक्त रुपए वापिस लौटाए। अरबाज की ईमानदारी से प्रसन्न हुए लाटा ने उक्त घटना से पूर्व पालिकाध्यक्ष संतोषकुमार इंदौरिया को अवगत करवाया, जिस पर डीवाईएसपी इनसार अली के सानिध्य में बुधवार को अरबाज का अभिनंदन किया गया।

इकबालपुर मस्जिद में रोज़ा इफ्तारी कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

मकराना(निस)। शहर की इकबालपुर मस्जिद में रोज़ा इफ्तारी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सलीम गज्जदर की ओर से रखा गया, जिसमें बड़ी संख्या में रोज़ेदारों ने भाग लेकर सामूहिक रूप से रोज़ा खोला। इफ्तारी के दौरान मस्जिद परिसर में भाईचारे, आपसी मोहब्बत और सौहार्द का माहौल रहा। इस अवसर पर अब्दुल शकूर खिलजी, शहादत अली खिलजी, बंटी मोहम्मद इस्लाम, मोहम्मद रफीक, अब्दुल मजीद खिलजी और मोहम्मद अयूब खिलजी सहित कई लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम समाज में एकता, भाईचारे और सद्भाव का संदेश देते हैं।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

बारात की कार पलटी: दूल्हे के बड़े भाई व फोटोग्राफर की मौत, एक घायल

बीदासर के पास गौवंश को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं जब बारात में शामिल एक कार हादसे का शिकार हो गई। बीदासर क्षेत्र में ढाणी कुम्हारान के पास मंगलवार देर रात एक कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे उसमें सवार दूल्हे के बड़े भाई और एक फोटोग्राफर की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को निजी वाहनों से बीदासर सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने 30 वर्षीय सुरेश कुमार जाट को मृत घोषित कर दिया। गंभीर घायल 38 वर्षीय नरेश दर्जी को प्राथमिक उपचार के बाद सुजानगढ़ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी भी मौत हो गई। वहीं 17 वर्षीय राहुल को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस के अनुसार बारात स्वामीयान की ढाणी (ग्राम पंचायत देवली तलाई) से प्रेमनगर राजलदेसर जा रही थी। इसी दौरान कार चला रहे दूल्हे के भाई सुरेश कुमार के सामने अचानक गौवंश आ गया। उसे बचाने के प्रयास में कार असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में चालक सुरेश कुमार और फोटोग्राफर नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वाहन के एयरबैग खुलने के बावजूद दोनों की जान नहीं बच सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक सुरेश कुमार जाट सरकारी शिक्षक था और नागौर जिले के अजबपूरा में कार्यरत था। वह अपने दो छोटे भाइयों की शादी में शामिल होने गांव आया था। परिवार में चार भाइयों में वह दूसरे नंबर पर था और उसके दो बेटियां हैं। परिवार में एक भाई की शादी मंगलवार और दूसरे की बुधवार को होनी थी, लेकिन हादसे के बाद दोनों भाइयों की शादी मंगलवार रात को ही सादगी से संपन्न कराई गई।

वहीं मृतक नरेश दर्जी नागौर का निवासी था, जो फोटोग्राफी का कार्य करता था। वह अपने सहयोगी राहुल के साथ शादी समारोह की फोटोग्राफी के लिए आया था। हादसे में नरेश की मौत हो गई जबकि राहुल घायल हो गया।

क्रेशरों की उड़ती धूल धुआं से परेशान ग्रामीणों ने रायपुर मोड पर धरना दिया, लिखित आश्वासन के बाद समाप्त

जयपुर टाइम्स

पाटन-नीमकाथाना(निस)। पाटन रोड पर स्थित रायपुर मोड़ के पास संचालित स्टोन क्रेशरों से उड़ रही धूल और धुएं से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार देर रात माइनिंग जोन के रास्ते में पत्थर डालकर धरना दिया। ग्रामीणों ने मंगलवार रात करीब 12 बजे से बुधवार सुबह 3 बजे तक रास्ता जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।धरनार्थियों का आरोप था कि रायपुर मोड़ क्षेत्र में संचालित स्टार स्टोन क्रेशर, वीआर स्टोन क्रेशर, एआर स्टोन क्रेशर, शेरावाली स्टोन क्रेशर, श्री कृष्णा ग्रीट कंपनी और कृष्णा स्टोन क्रेशर की ओर से पत्थरों की पिसाई के दौरान पानी का छिड़काव नहीं किया जाता। इससे पूरे इलाके में भारी मात्रा में धूल और धुआं उड़ता रहता है, जिससे आसपास के लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि क्षेत्र की सबसे बड़ी खदान मोदी माइंस में भारी ब्लास्टिंग की जाती है, जिससे आसपास के गांवों के लोग हमेशा भय के साए में जीने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना था कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिसके चलते उन्हें मजबूरन धरना देना पड़ा।सूचना मिलने पर पाटन पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। बाद में माइनिंग वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुंदर मल सैनी, श्री कृष्णा ग्रीट कंपनी के पप्पू भड़ाना, वीआर स्टोन क्रेशर के राजीव ठाकुर और भूप सिंह गुर्जर धरना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।प्रतिनिधियों ने आगे से पानी का नियमित छिड़काव कराने और समस्या का समाधान करने का लिखित आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। धरने के दौरान नाथुवाला से सरपंच प्रत्याशी श्योराम, महेंद्र सैनी रायपुर मोड़, पप्पू बंजारा, रामावतार इंदिरा कॉलोनी, हंसराज वर्मा बागाला, गुसाई का मठ सहित आसपास के सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

देवस्थान विभाग के मंदिरों में 18 मार्च को होंगे विशेष आयोजन

मंत्री जोराराम कुमावत ने ली बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में देवस्थान विभाग अपने प्रत्यक्ष प्रभार एवं राजकीय आत्मनिर्भर श्रेणी के समस्त 593 व ट्रस्टों की ओर से संचालित 21 मंदिरों में 18 मार्च 2026 को विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस आयोजन को सफल बनाने के संबंध में बुधवार को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने देवस्थान विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी से बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। देवस्थान मंत्री कुमावत ने कहा कि राजस्थान दिवस के उपलक्ष में 563 राजकीय मंदिरों में विशेष आरती एवं 51 प्रमुख मंदिरों में संध्या के समय महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत मंदिरों को सजाने, दीप प्रज्ज्वलन, भजन संध्या और विशेष पूजा-अर्चना के माध्यम से राज्य की समृद्ध संस्कृति व कला का प्रदर्शन किया जाएगा। कुमावत ने कहा कि राज्य की संस्कृति को बढ़ावा देना और सांस्कृतिक धरोहर से लोगों को जोड़ना ही मुख्य उदेश्य है। देवस्थान मंत्री कुमावत ने बताया कि 18 मार्च को राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार व आत्मनिर्भर श्रेणी के 30 मंदिरों में विशेष कार्यक्रम होंगे। इनमें मंदिर श्री हनुमान जी मांझी का घाट, चांदपोल, उदयपुर, मंदिर श्री रूपनारायण जी सेवंत्री, राजसमंद, मंदिर श्री दीपनाथ महादेव जी, प्रतापगढ़, मंदिर श्री मंगलेश्वर महादेव जी, चितौड़गढ़, मंदिर श्री तेजानंद बिहारी जी, सलूंबर, मंदिर श्री राजरणछोड़ जी, जोधपुर, मंदिर श्री सोमनाथ महादेव, पाली, मंदिर श्री बांकड़े बिहारी जी, जैसलमेर, मंदिर श्री गोगाजी गोगामेड़ी, हनुमानगढ़, मंदिर श्री सदाशिव जी राजगढ़, चूरू, मंदिर श्री लक्ष्मीनाथ जी, बीकानेर, मंदिर श्री बृजनिधि जी, चांदनी चौक, जयपुर मंदिर श्री माताजी मावलियान, आमेर जयपुर, मंदिर श्री रामचंद्र जी सिरहडयोढी बाजार, जयपुर , मंदिर श्री राधाबिहारी जी, धौलपुर, मंदिर श्री गंगा जी, भरतपुर, मंदिर श्री लक्ष्मण जी, डीग, मंदिर श्री प्रताप नवल बिहारी जी, करौली, मंदिर श्री रघुनाथ जी, चूलीगेट, सवाईमाधोपुर, मंदिर श्री चर्तुभुज जी, सिंगोली श्याम जी, ग्राम सिंगोली, मांडलगढ़-भीलवाड़ा, मंदिर श्री भुतेश्वर जी, टोडारायसिंह, टोंक, मंदिर श्री रंगबाड़ी बालाजी कोटा, मंदिर श्री अनंतराम प्यारेराम जी बांरा, मंदिर श्री केशवराय जी, केशोरायपाटन, बूंदी, मंदिर श्री द्वारकाधीश जी, झालरापाटन, मंदिर श्री नीलकण्ठ महादेव फतहपुरा, डूंगरपुर, मंदिर श्री ऋषभदेव जी, ऋषभदेव जिला उदयपुर, मंदिर श्री सिद्धी विनायक जी, बांसवाड़ा, मंदिर श्री कुशल बिहारी जी, बरसाना, वृंदावन, मंदिर श्री राधा माधव जी, वृंदावन शामिल है। देवस्थान विभाग की ओर से सार्वजनिक प्रन्यास मंदिर मण्डल की ओर से संचालित प्रदेश के 21 मंदिरों में भी 18 मार्च को विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें मंदिर श्री कल्याराय जी अस्थल मंदिर सूरजपोल, उदयपुर, पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ मंदिर श्री द्वारकाधीश जी, कांकरोली, राजसमंद, श्री वीरातरा माता मंदिर ट्रस्ट, चोहटन, बाड़मेर, श्री आपेश्वर महादेव सेवा ट्रस्ट, भीनमाल, जालोर, श्री दुलेश्वर महादेव ट्रस्ट, माउंट आबू, श्री संभंवनाथ जी जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट, बालोतरा, श्री कृष्ण कल्याण राम जी का मंदिर ट्रस्ट, फलौदी, शिव मंदिर, श्रीजगदंबा अंध विद्यालय, श्रीगंगानगर, मंदिर श्री महादेव जी त्रिपोलिया, अलवर, मंदिर श्री कल्याण जी, सीकर, मंदिर श्री रोड के बालाजी, घोड़ी वाराकला, नवलगढ़-झुंझुनुं, मंदिर श्री श्याम जी, श्री श्याम शक्ति मण्डल, कोटपुतली, बहरोड़, मंदिर श्री बाबा मोहनराम काली खोली वाला, मिलकपुर गुर्जर, टपुकड़ा, खैरथल-तिजारा, मंदिर श्री गणेश जी मोती डूंगरी, जयपुर , मंदिर श्री मेंहदीपुर बालाजी, घाटा मेंहदीपुर, दौसा, मंदिर श्रीनाथ जी, पुंछरी का लोठा, डीग, मंदिर श्री हनुमान जी, लुधावाई, भरतपुर, मंदिर श्री ब्रह्मा जी, पुष्कर, मंदिर श्री चारभुजा जी (मीरा बाई), मेड़ता, जिला नागौर, मंदिर श्री जोगमाता (कैवायमाता) मंदिर किनसरिया, परबतसर, मंदिर श्री गणेश जी, ब्यावर में कार्यक्रम होगा।

उद्घाटन हुआ, फीता कटा... लेकिन एसएनसीयू पर लटकता रहा ताला

खबर छपते ही टूटी प्रशासन की नींद, अब शुरू हुई नवजातों के इलाज की सुविधा

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस)। फुलेरा के उप जिला चिकित्सालय में नवजात शिशुओं के इलाज के लिए बनाई गई एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) का 18 फरवरी को उद्घाटन तो कर दिया गया, लेकिन इसके बाद भी कई दिनों तक यूनिट पर ताला लटका रहा। सवाल यह उठता रहा कि जब यूनिट शुरू ही नहीं करनी थी तो आखिर उद्घाटन की जल्दबाजी क्यों की गई? नवजात शिशुओं के लिए बेहद जरूरी इस यूनिट के बंद रहने के कारण गंभीर स्थिति वाले बच्चों को इलाज के लिए जयपुर रेफर करना पड़ रहा था। इससे परिजनों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियां झेलनी पड़ रही थीं। अस्पताल में सुविधाएं मौजूद होने के बावजूद उनका लाभ मरीजों तक नहीं पहुंचना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा था। जानकारी के अनुसार एसएनसीयू यूनिट का उद्घाटन सादे समारोह में किया गया था, जिसमें जनप्रतिनिधि को आमंत्रित नहीं किया गया। उद्घाटन के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र भामू, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. पीयूष तिवारी सहित अस्पताल स्टाफ मौजूद रहा। लेकिन उद्घाटन के बाद भी यूनिट शुरू नहीं होने से अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अस्पताल की व्यवस्थाओं का अचानक निरीक्षण किया जाए तो कई अव्यवस्थाएं सामने आ सकती हैं। नियमित मॉनिटरिंग के अभाव में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा था।

खबर का असर:

मामले को लेकर जब यह खबर जयपुर टाइम्स मे प्रमुखता से प्रकाशित हुई तो प्रशासन की नींद टूटी और मंगलवार को आखिरकार एसएनसीयू यूनिट को शुरू कर दिया गया। यूनिट चालू होने से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली। लोगों का कहना है कि मीडिया की पहल से अब नवजात शिशुओं को समय पर इलाज मिल सकेगा। वही स्थानीय लोगों ने जयपुर टाइम्स टीम का आभार व्यक्त किया है।

खेजड़ी संरक्षण के लिए सख्त कानून की तैयारी तेज, समिति की बैठक में विधेयक के प्रारूप पर मंथन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राज्य वृक्ष खेजड़ी के संरक्षण के लिए सख्त कानून बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने प्रयास तेज कर दिए हैं। इस संबंध में जयपुर स्थित राजकीय आवास पर संसदीय कार्य व विधि मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में गठित समिति की द्वितीय बैठक आयोजित हुई, जिसमें प्रस्तावित खेजड़ी संरक्षण अधिनियम के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वन व पर्यावरण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, उद्योग राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई, विधायक पब्बाराम बिश्नोई, पूर्व विधायक बिहारीलाल बिश्नोई सहित विधि विभाग के अधिकारी और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में खेजड़ी वृक्षों के संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि खेजड़ी राजस्थान की संस्कृति, पर्यावरण और ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा है। मरुस्थलीय पारिस्थितिकी में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है और यह पशुधन के लिए चारे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए खेजड़ी वृक्षों की अवैध कटाई रोकने के लिए प्रभावी कानूनी प्रावधानों वाला सशक्त विधेयक तैयार किया जा रहा है। बैठक में विभिन्न राज्यों के वृक्ष संरक्षण कानूनों का तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत किया गया और संभावित प्रावधानों पर चर्चा की गई। समिति ने निर्णय लिया कि आगामी बैठक में विधेयक का प्रारूप प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि उसे अंतिम रूप देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। समिति की अगली बैठक 22 मार्च को प्रस्तावित है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जयपुर में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति के साथ नहीं होगा कोई समझौता

गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी एवं अवैध रीफिलिंग के खिलाफ और तेज होगी कार्रवाई

घरेलू गैस के वाणिज्यिक उपयोग करने वालों के खिलाफ भी होगी सख्त कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि जिले में उपभोक्ताओं को घरेलू एलपीजी गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जयपुर जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता व आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने स्पष्ट किया कि जयपुर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूर्ववत निर्बाध रूप से जारी रहेगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की चिकित्सीय एवं शैक्षणिक संस्थानों में निर्बाध उपलब्धता बनी रहे, जिससे आवश्यक सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। जिला कलक्टर ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाहों के आधार पर घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने विपणन कंपनियों के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे अपने उपभोक्ताओं तक प्रमाणित सूचना व जागरूकता संदेश प्रसारित करें, ताकि आमजन तक सही जानकारी पहुंचे और अनावश्यक भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। गैस सिलेंडर उपभोक्ताओ की सुविधाओं व सहायता के दृष्टिगत खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग स्तर पर हेल्पलाइन नंबर 1445 व पुलिस आयुक्तालय जयपुर के स्तर से हेल्पलाइन नंबर 112 जारी किए गए हैं। बैठक में जिला कलक्टर ने रसद विभाग के अधिकारियों को घरेलू गैस सिलेंडरों के वाणिज्यिक उपयोग, अवैध रीफिलिंग गतिविधियों और कालाबाजारी पर कड़ी निगरानी रखते हुए प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि जयपुर शहर में पहले से ही जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रीफिलिंग, अवैध उपयोग तथा भंडारण पर रोक लगाने के लिए 'ऑपरेशन प्रवर्तन - सतर्क नागरिक, सुरक्षित शहर' अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान के तहत प्रशासन की ओर से नियमित निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत निगरानी के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) युगांतर शर्मा तथा जिला रसद अधिकारी जयपुर शहर व ग्रामीण की ओर से समुचित पर्यवेक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि यदि कहीं घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध उपयोग, रीफिलिंग या कालाबाजारी की जानकारी मिले तो तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित करें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके और उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) श्री युगांतर शर्मा, जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम श्री प्रियव्रत सिंह चारण, जिला रसद अधिकारी जयपुर द्वितीय श्रीमती संघमित्रा बरड़िया तथा तीनों प्रमुख गैस कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।